भीम प्रज्ञा अलर्ट

'समय सबका इम्तिहान लेता है। जो काम में ईमान रखते हैं, वे जीतते है और जो बहाने ढूंढते हैं, वे पीछे छूटते जाते हैं।'

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-8 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 27 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भजनलाल पर गहलोत का पलटवार : कहा- सीएम कहते हैं कि अधिकारी तो सरकार के होते हैं, तो फिर योजनाएं भी सरकार की होती हैं, बंद क्यों किया?

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल के बयान पर पलटवार किया। अशोक गहलोत ने कहा- ये लोग (भाजपा वाले) एक तरफ तो कहते हैं कि हमारी सरकार के अधिकारी भ्रष्ट थे, लेकिन आज उन्हीं अधिकारियों को अच्छी पोस्टिंग दी हुई है। इस सरकार में लगते ही वो अधिकारी अच्छे हो गए?

अधिकारी तो सारे वहीं हैं। सीएम कहते हैं कि अधिकारी तो सरकार के होते हैं, तो फिर योजनाएं भी सरकार की होती हैं, उन्हें क्यों बंद किया गया? अगर अशोक गहलोत की फोटो छपा हुआ थैला पसंद नहीं था, तो अपनी फोटो लगवा देते, लेकिन योजनाएं बंद नहीं करनी चाहिए थीं। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह बात सीकर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही।

गहलोत ने मीडिया से कहीं ये 3 बड़ी बातें....

1. 'हड़बड़ी में हो रहा काम, सरकार दे जवाब'

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एसआईआर (स्ढ्ढफ्र) प्रक्रिया में अव्यवस्था, अत्यधिक दबाव और अत्यल्प समय-सीमा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि देशभर में बीएलओ (BLO) की असामयिक मृत्यु इस प्रक्रिया की हड़बड़ी और गलत प्रणाली का परिणाम हैं, जिस पर सरकार को जवाब देना चाहिए। गहलोत ने सवाल उठाया कि जब 12 राज्यों में एसआईआर शुरू की गई है तो इतनी जल्दबाज़ी की क्या ज़रूरत थी? चुनावों में अभी तीन-तीन साल बचे हैं, ऐसे में प्रक्रिया को आराम से और पारदर्शी ढंग से पूरा किया जा सकता था।

गहलोत ने कहा कि सरकार की यह हड़बड़ी संदेह पैदा करती है और लोकतांत्रिक ढांचे के लिए चिंताजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि बीएलओ आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? क्योंकि उन पर दबाव है। 4 तारीख तक नाम जुड़ नहीं पाएंगे और 9 तारीख को सूची जारी होनी है, जिसके बाद नाम जोड़ने की लंबी और जटिल प्रक्रिया शुरू होती है, जिससे लोग बहुत परेशान हैं।

2. भाजपा के आरोप झूठे, हमारे अधिकारियों को फिर अहम पद क्यों?

गहलोत सरकार के समय महत्वपूर्ण विभागों में तैनात रहे अधिकारियों को भाजपा शासन में भी अहम पद मिलने से जुड़े सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए अशोक गहलोत ने कहा- अधिकारियों की पोस्टिंग मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार होता है।भाजपा नेताओं ने सरकार बनने के समय आरोप लगाया था कि मेरे कार्यकाल में तैनात अधिकारी भ्रष्ट थे और गलत तरीके से महत्वपूर्ण पदों पर लगाए गए थे। लेकिन विडंबना यह है कि अब वही अधिकारी भाजपा सरकार द्वारा फिर से अच्छी और प्रभावी पोस्टों पर लगाए जा रहे हैं। इससे साफ है कि उस समय लगाए गए आरोप केवल झूठ थे और जानबूझकर माहौल खराब करने के लिए लगाए गए थे।

3. योजनाएं बंद, सड़कें जर्जर, पेंशन गायब

गहलोत ने प्रदेश भर में उनके कार्यकाल में शुरू की गईं जनहित की योजनाओं को बंद या धीमा किए जाने पर सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि 'राजस्थान में जो विकास योजनाएं चल रही थीं, आपने उन्हें धीमा या बंद क्यों कर दिया? वे किसी एक व्यक्ति की नहीं, सरकार की योजनाएं थीं। सरकारें बदलती हैं, पर जनता के हित में चलने वाली योजनाएं कभी नहीं रुकनी चाहिए। गहलोत ने राज्य में सड़कों की दुर्दशा पर भी चिंता जताई और कहा- सरकार को अभियान चलाकर सड़कों के गड्ढों को भरना चाहिए।

राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों का हो त्वरित निस्तारण

जिला कलक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिला कलक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने बुधवार को जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित योजनाओं से लोगों को लाभान्वित करने एवं उनमें प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी माह में राज्य सरकार के 2 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर जिला स्तर पर प्रकाशित होने वाली जिला दर्शन पुस्तिका के लिए विभागीय उपलब्धियां भिजवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे अपने विभाग के लम्बित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर आमजन को लाभ दिलवाएं। जिला कलक्टर ने पंच गौरव के लिए संबंधित अधिकारियों को प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अति. जिला कलक्टर अजय कुमार आर्य, जिला परिषद के सीईओ कैलाश यादव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप

निदेशक डॉ. पवन पूनियां, आईसीडीएस के उप निदेशक विजेन्द्र सिंह राठौड, जिला जनसम्पर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, सांख्यिकी विभाग की सहायक निदेशक पूनम कटेवा, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नेहा झाझडिया, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक अभिषेक चोपदार, नगर परिषद से लोकेश सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में नीरू ढांडा का दबदबा

चौथा गोल्ड मेडल जीता, पॉइंट्स टेबल में जैन यूनिवर्सिटी टॉप पर बरकरार

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर में चल रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में बुधवार का दिन गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी (GNDU) और जैन यूनिवर्सिटी के नाम रहा। ट्रैप शूटर नीरू ढांडा ने महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में लगातार चौथा गोल्ड जीतकर एक बार फिर दबदबा कायम किया। जैन यूनिवर्सिटी ने स्विमिंग में चार और गोल्ड जोड़कर पदक तालिका में शीर्ष पायदान पर अपनी बढ़त मजबूत रखी। खेलों की मेजबानी पूर्णिमा यूनिवर्सिटी कर रही है, जबकि आयोजन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल मिलकर कर रहे हैं। सात शहरों में चल रहे इन गेम्स में 222 यूनिवर्सिटी के 4448 खिलाड़ी 23 खेलों में हिस्सा ले रहे हैं।

जगतपुर शूटिंग रेंज पर हुए फाइनल में नीरू ढांडा ने 47 पॉइंट्स के साथ गोल्ड जीता। मनीषा कीर (39) ने सिल्वर और नंदिका (30) ने ब्रॉन्ज जीता। तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर 344 पॉइंट्स के साथ टीम गोल्ड भी जीता। इस दौरान नीरू ने कहा यह मेरा आखिरी चढ्ढत है, मैं इसे गोल्ड के साथ खत्म करना चाहती थी।

पुरुष वर्ग में आदित्य भारद्वाज (GNDU) ने 45 पॉइंट्स के साथ गोल्ड जीता। पंजाबी यूनिवर्सिटी के जंगशेर सिंह विरक ने सिल्वर (43) और मानव रचना के भक्तियार मलिक ने ब्रॉन्ज (34) जीता। GNDU ने

पुरुष टीम गोल्ड भी अपने नाम किया। इंडिविजुअल रोड रेस में महिला गोल्ड मीनाक्षी रोहिल्ला (GNDU) जबकि पुरुष गोल्ड - अक्षर त्यागी (GNDU) ने जीता। इन जीतों से त्नहृष्ठ की गोल्ड संख्या दोहरे अंक में पहुंच गई। जैन यूनिवर्सिटी ने मंगलवार को स्विमिंग में चार गोल्ड जीते। इनमें नीना वेंकटेश ने 50m बटरफ्लाई, भव्या सचदेवा ने 400 मीटर, पुरुष और महिला 4*100m फ्रीस्टाइल रिले में इसके साथ जैन यूनिवर्सिटी ने दिन के अंत तक आठ गोल्ड अपने नाम किए।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के हर्ष सरोहा ने पुरुष 50m बटरफ्लाई में ओलंपियन श्रीहरि नटराज को पछाड़कर 24.90 सेकंड में गोल्ड जीता। उन्होंने 200 मीटर बटरफ्लाई में भी गोल्ड जीता।उनके साथी ईशान राठी ने 200 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण हासिल किया। इसके साथ ही पुरुष वर्ग में एमजी यूनिवर्सिटी, चितकारा, पंजाब यूनिवर्सिटी और मुंबई यूनिवर्सिटी ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। जबकि महिला वर्ग में चितकारा, LPU, SRM और MDU रोहतक ने क्वालिफाई किया। वहीं आदमस यूनिवर्सिटी ने CSM यूनिवर्सिटी को 3-1 से हराया, जबकि GNDU और कलकत्ता यूनिवर्सिटी का मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। वेटलिफ्टिंग में महिला 58kg में रिमा भोई (LPU) ने 197kg के कुल वजन के साथ गोल्ड जीता।

संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा: मनोज मील

संविधान दिवस समारोह का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

बुधवार को मोरारका राजकीय महावि?घालय में संविधान दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा एनएसएस की तीनों इकाइयों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वि?घार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता अधिकारों और कर्तव्यों की समझ को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माण यात्रा प्रदर्शनी से हुई जिसमें विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए पोस्टर मॉडल संविधान सभा के छायाचित्र तथा संविधान निर्माण से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और विषय पर पकड़ सराहनीय रही। इसके उपरांत संविधान के महत्व पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने संविधान की भावना, मूल सिद्धांतों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों पर विस्तृत एवं प्रेरक विचार प्रस्तुत किए।? उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। हमें इसकी

थाती पर गर्व करना चाहिए। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।महावि?घालय वरिष्ठ संकाय सदस्य यशपाल ने अपने संबोधन में कहा कि सविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र को दिशा देने वाला प्रकाश स्तम्भ है। साथ ही महावि?घालय की छात्रा प्रिंसी ने भी संविधान पर प्रभावी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अंतिम चरण में पोस्टर एवं मॉडल प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम (देवकुमार, एमए सेमेस्टर तृतीय), द्वितीय (सलमा, एमए सेमेस्टर तृतीय) एवं तृतीय (तनुजा, बीए सेमेस्टर प्रथम) स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार क्रमशः 550, 250 एवं 150 तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इसी प्रकार मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम (संगीता स्वामी, बीए सेमेस्टर प्रथम), द्वितीय (टीना जांगिड, एमए सेमेस्टर प्रथम) एवं तृतीय (लीना, बीए सेमेस्टर तृतीय) स्थान प्राप्त करने वाले वि?घार्थियों को नकद पुरस्कार क्रमशः 1100, 550 एवं 250 तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। निर्णायकगण श्री इरशाद अहमद (सह आचार्य इतिहास), डॉ विकास भड़िया (राजकीय कन्या महाविद्यालय, झुंझुनू) एवं सुभाष चन्द्र पूनिया (राजकीय कन्या महाविद्यालय, हेतमसर) द्वारा निष्पक्ष मूल्यांकन करते हुए उत्कृष्ट प्रस्तुतियों का चयन किया गया। अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ वेदप्रकाश ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आकांक्षा डूडी ने किया। सभी प्रतिभागियों की उत्साही भागीदारी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम अत्यंत सुचारु रूप से संपन्न हुआ और संविधान दिवस का यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरक और स्मरणीय सिद्ध हुआ। इस अवसर पर सभी संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उपभोक्ता जागरूकता की ली शपथः

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज मील द्वारा उपभोक्ता अधिकारों के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया गया। गौरतलब है कि आगामी 24 दिसंबर तक कंज्यूमर वॉइस महोत्सव के तहत उपभोक्ता अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों ने भी उपभोक्ता जागरूकता की ऑनलाइन व ऑफलाइन शपथ ली। जिले में उपभोक्ता जागरूकता शपथ के प्रति खासा उत्साह देखा जा रहा है।

तोदी महाविद्यालय में मनाया संविधान दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय में बुधवार को संविधान दिवस बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत ने बताया कि इस आयोजन का सफल संचालन महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस

नाथावत ने विद्यार्थियों को संविधान की भावना, मूल कर्तव्यों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला।साथ ही राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक श्री मनीष देव मील द्वारा भी विद्यार्थियों को संविधान निर्माण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रस्तावना के मूल अर्थ, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों की प्रासंगिकता पर विस्तृत जानकारी दी गई।इस अवसर पर विद्यार्थियों ने संविधान पर आधारित भाषण तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम समन्वयक के अनुसार संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य युवा पीढ़ी में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध विकसित करना है। कार्यक्रम दौरान एडमिन प्रमेंद्र सिंह शेखावत, डॉ आनन्द शर्मा, प्रेम सिंह, डॉ नरेश कुमार वर्मा, अखिलेश त्रिपाठी, प्रगेय चेजारा, महेश कुमार प्रजापत, डॉ राशिद अली, पवन कुमार मीणा, लक्ष्मण राम मेहरा, पंकज शर्मा एवं समस्त स्टाफ सदस्यों सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

आरसीए में महिला खिलाड़ियों के सिलेक्शन को लेकर विवादः

टॉप-5 में रहने वाली खिलाड़ी को बाहर किया, जांच कर कार्रवाई की उठाई मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (RCA) में महिला खिलाड़ियों के सिलेक्शन को लेकर गहरा विवाद खड़ा हो गया है। विमेंस अंडर-23 और अंडर-19 टीम के चयन पर कई खिलाड़ियों ने सिलेक्शन कमेटी पर पक्षपात और नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि जिनका प्रदर्शन कमजोर रहा है, उन्हें टीम में शामिल किया गया है, जबकि निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मनमाने कारण बताकर बाहर कर दिया गया।

सिलेक्शन में भेदभाव का आरोप

खिलाड़ियों के अनुसार, सिलेक्शन कमेटी की चेयरपर्सन पूनम यादव सिलेक्शन प्रक्रिया में भेदभाव कर रही हैं। आरोप है कि पूनम यादव अलवर की एक क्रिकेट अकादमी से जुड़ी हुई हैं और वहां से आने वाली खिलाड़ियों को नियमों के विपरीत तरजीह दी जा रही है। खिलाड़ियों ने दावा

किया कि BCCI -23 टूर्नामेंट के मैचों में भी कमजोर प्रदर्शन करने वाली इन्हीं खिलाड़ियों के कारण टीम को हार झेलनी पड़ी, जबकि बेहतर रिकॉर्ड रखने वाली खिलाड़ियों को सिलेक्शन का मौका नहीं मिला। यहां तक कि जब सिलेक्शन के मैच हुए तो बैटिंग लाइनअप को चेंज कर यादव ने खिलाड़ियों की परफॉमेंस को प्रभावित किया।

सिलेक्टर्स का पसंद कर रही भविष्य का फैसला

विवाद सिर्फ प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। खिलाड़ियों का कहना है कि सिलेक्शन कमेटी की सदस्य माया जाट, रितिका जैन और हर्षिता मकवाना लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों का उल्लंघन करते हुए सिलेक्टर बनी हैं। नियमों के अनुसार, जिन पदों पर वे काबिज हैं, वे अनुमत नहीं हैं, फिर भी उन्हें सिलेक्टर बनाकर चयन प्रक्रिया में शामिल किया गया है। खिलाड़ियों का दावा है कि सिलेक्शन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और सिलेक्टर्स की व्यक्तिगत पसंद-नापसंद भविष्य का फैसला कर रही है।

टॉप-5 में रहने वाली खिलाड़ी को बाहर किया

एक महिला खिलाड़ी ने बताया कि -19 कैंप के लिए 30 खिलाड़ियों को चुना गया है, लेकिन इनमें कई ऐसी खिलाड़ी शामिल हैं, जिनका हालिया प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा है। वहीं लीडरबोर्ड पर शीर्ष 5 में रहने वाली खिलाड़ी को सिर्फ फील्डिंग ठीक नहीं है ,जैसे तर्क देकर बाहर कर दिया गया। दूसरी ओर, कुछ खिलाड़ी जिन्होंने मात्र 39 रन बनाए, उन्हें कैंप में स्थान दे दिया गया।

एडहॉक कमेटी कन्वीनर बोले- कार्रवाई होगी

एडहॉक कमेटी कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने कहा कि विमेंस टीम के सिलेक्टर्स के खिलाफ मुझे भी शिकायत मिली थी। जिसमें बताया गया है कि कुछ सिलेक्टर जहां एक भी नेशनल मैच नहीं खेली है। जबकि कुछ शिक्षा विभाग की सिलेक्शन कमेटी में है। जांच के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जो भी इसमें दोषी होगा। उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

लोढ़ा कमेटी के दिशा-निर्देशों का सीधा उल्लंघन

खिलाड़ियों ने यह भी आरोप लगाया कि पूनम यादव न सिर्फ एक निजी एकेडमी से जुड़ी हैं। बल्कि, राजस्थान स्कूल क्रिकेट टीम की सिलेक्टर भी हैं। जो लोढ़ा कमेटी के दिशा-निर्देशों का सीधा उल्लंघन है। इससे हितों का टकराव (कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट) पैदा होता है। जो सिलेक्शन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता हैं। इस विवाद पर खिलाड़ियों ने RCA से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि चयन प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता आधारित हो सके। इस पूरे मामले पर पूनम यादव से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनसे प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। RCA में जारी यह विवाद महिला क्रिकेटरों के भविष्य और चयन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

भारतीय परम्पराओं का अनुपालन कर हमें संयुक्त परिवारों को बचाना होगा

प्रहलाद सबनानी

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है।

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, क रवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं।

इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं।

पि मी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पि मी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय , यह भारतीय विचारधारा है।

भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर कुछ मीठा हो जाए जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाइयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग

हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर कि,

दीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं ; होली पर्व पर भारी मात्रा में पानी की बबार्दी की जाती है ; महाशिवरात्रि पर्व पर दूध की बबार्दी की जाती है ; माई बॉडी माई चोईस ; हमको भारत में रहने में डर लगता है ; आदि विमर्श स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर पि मी देशों द्वारा आज भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं।

भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पि मी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच, ननद देवरानी के बीच, दो बहिनों के बीच, पड़ोसियों के बीच, छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है, ताकि भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को बढ़ावा मिल सके। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोर्ज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं।

पि मी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं।

अब हम समस्त भारतीय नागरिकों को वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा फैलाए जा रहे उक्त वर्णित जाल में नहीं फंसते हुए, हमारे अपने भारतीय व्यंजनों का भरपूर आनंद उठाते हुए अपनी भारतीय परम्पराओं का अनुपालन सुनि त करना चाहिए। हमें अपने जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करना चाहिए चाहे वह तुलनात्मक रूप से थोड़ा महंगा ही क्यों न हो। उदाहरण के तौर पर हमारे जीवन में रोजाना उपयोग होने वाले कुछ उत्पादों के नाम यहां पर दिए जा सकते हैं, जिनका उत्पादन सदियों से भारत में ही पर्याप्त मात्रा में होता चला आया है। केवल और केवल भारतीय कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग एवं विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग नहीं करने की शपथ ली जानी चाहिए। जैसे, नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, सौंदर्य प्रसाधन औषधियां, टुथथपेस्ट दंतमंजन टुथब्रश, दाढ़ी का साबुन ब्लेड्स रेजर, बिस्किट चाकलेट दुग्ध उत्पाद ब्रेड, चाय काफी, शीतपेय शरबत चटनी अचार मुरब्बा, आइसक्रीम खाद्यतेल खाद्य पदार्थ, विद्युत उपकरण गृहोपयोगी वस्तु घड़ियां, लेखन सामग्री, जूते चप्पल पोलिश, तैयार कपड़े, कम्प्यूटर लैपटॉप एवं उपकरण, टेलिकॉम उपकरण, बाम और मरहम, दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन, स्वचालित वाहन एवं मोबाइल फोन आदि। जब भी बाजार जाएंगे, सामान स्वदेशी ही लाएंगे जैसे तथ्यों को आत्मसात करना चाहिए। इससे न केवल चीन बल्कि अमेरिका को भी संदेश जाएगा कि भारत अब कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो चुका है तथा वैश्विक स्तर पर भारत अब इनके दबाव में आने वाला नहीं है।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

भरोसे का बोझ और टूटे संबंधों का सच

कुछ लोग भरोसे के लिए रोते हैं और कुछ लोग भरोसा करके रोते हैं–यह वाक्य मात्र एक व्यंग्यात्मक कथन नहीं, बल्कि आधुनिक समाज के रिश्तों की जटिलता का सबसे सटीक आइना है। जिस युग में विश्वास सबसे कीमती संपत्ति होना चाहिए था, उसी युग में यह सबसे नाजुक, सबसे टूटने योग्य और सबसे अधिक व्यापारिक हो गया है। स्थिति यह है कि लोग भरोसा करके ठगे जाते हैं, और भरोसा न मिले तो अकेलेपन में सिसकते हैं। हमारी सामाजिक संरचना में विश्वास हमेशा से एक धुरी की तरह रहा है। परिवार, समाज, राजनीति, व्यवसाय–हर रिश्ते का आधार यही रहा है। लेकिन आज भरोसा एक भावनात्मक बोझ बन चुका है। लोग एक-दूसरे पर भरोसा करने से डरने लगे हैं, क्योंकि हर भरोसा टूटने का जोखिम लेकर आता है। ऐसा नहीं कि दुनिया में भरोसे के काबिल लोग नहीं रहे, लेकिन भरोसा करने का साहस रखने वाले लोगों की संख्या कम हो रही है। सामाजिक मूल्य क्षीण होने लगे, रिश्तों में स्वार्थ की मिलावट होने लगी और भावनाओं का बाज़ारीकरण ऐसा बढ़ा कि भरोसा एक भावनात्मक सट्टेबाज़ी जैसा हो गया है–कब टूट जाए, किस मोड़ पर पलट जाए, कोई अनुमान नहीं। यही कारण है कि आज के दौर में दो तरह के लोग मिलते हैं–एक वे जो भरोसा पाने के लिए तरसते हैं, और दूसरे वे जो भरोसा करने की सजा भोगते हैं। यह मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। भरोसे का संकट केवल व्यक्तिगत रिश्तों में नहीं आया है, बल्कि पूरे सामाजिक और राजनीतिक ढांचे में इसकी प्रतिध्वनि सुनाई देती है। जनता नेता पर भरोसा करती है और बाद में उम्मीदों के टूटने पर रोती है। छात्र शिक्षा व्यवस्था पर भरोसा करते हैं और बाद में बेरोजगारी की मार भुगतते हैं। किसान सरकारी घोषणाओं पर भरोसा करता है और फिर अपनी फसल के दाम पर रोता है। व्यापारी नीतियों पर भरोसा करता है और अचानक बदलते नियमों में पिस जाता है। मतलब यह कि भरोसा टूटने की कहानी हर क्षेत्र में फैली हुई है। अब तो स्थिति यह है कि लोग भरोसा करने से पहले दस बार सोचते हैं, और भरोसा टूटने के बाद दस गुना दर्द अनुभव करते हैं।

यह संकट केवल मानव स्वभाव का नहीं है, बल्कि समाज में बढ़ती संवेदनहीनता का भी परिणाम है। पहले भरोसा एक वचन पर टिक जाता था–'कह दिया तो कह दिया।' आज लिखित अनुबंध भी कमजोर पड़ जाते हैं। रिश्ते पहले दिल से निभते थे, अब व्हाट्सएप के स्टेटस से चलने लगे हैं। पहले लोग भरोसे की रक्षा के लिए जीवन लगा देते थे, आज लोग सुविधानुसार भरोसा बदल देते हैं। भरोसे की इस गिरावट ने लोगों को भावनात्मक रूप से इतना कमजोर बना दिया है कि वे अब छोटे-छोटे संदेहों के बोझ तले जीते हैं। लेकिन सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या भरोसा पूरी तरह खत्म हो जाना चाहिए? बिल्कुल नहीं। अगर समाज में भरोसा खत्म हो गया तो साथ जीने का आधार ही ढह जाएगा। यह भी सच है कि भरोसा हमेशा बुद्धि के साथ होना चाहिए–अंधविश्वास नहीं, विवेकपूर्ण विश्वास। भरोसा देना कमजोरी नहीं, बल्कि मानवता का परिचय है। समस्या भरोसा करने में नहीं, बल्कि गलत जगह भरोसा करने में है। इसलिए आवश्यकता है कि हम भरोसे को तौलें नहीं, समझें; अंधे होकर न दें, पर संदेहों की बेड़ियों में बांधकर भी न रखें।

इस व्यंग्य का सार यही है कि समाज को भरोसे की इस टूटन से उबारने का दायित्व हम सबका है। हमें रिश्तों को केवल औपचारिकताओं से नहीं, बल्कि सच्चे मन से निभाना होगा। भरोसा तभी जीवित रहेगा जब हम उसे लालच, कपट और छल से दूर रखेंगे। भरोसा टूटने पर रोना आसान है, लेकिन भरोसा निभाने की क्षमता विकसित करना कठिन। और यही क्षमता समाज को मजबूत बनाती है। इसलिए हममें से प्रत्येक व्यक्ति को यह सोचना चाहिए कि हम भरोसा पाने के योग्य बनें, और भरोसा देने में भी विवेक अपनाएँ। तभी मानव संबंधों की यह जर्जर दीवार फिर से मजबूत हो सकेगी। कुल मिलाकर यह व्यंग्य केवल एक कथन नहीं, बल्कि आज के समाज के खोखलेपन पर एक गहरा तमाचा है।

समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें

नरेन्द्र भारती

समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें। समय एक अनमोल पूंजी है। समय को जिसने भी बरबाद किया समय ने उसे भी बरबाद कर दिया। समय किसी का इंतजार नहीं करता। समय का सदुपयोग करोगे तो सफलता हासिल करोगे अगर समय का दुरुपयोग किया तो धराशायी हो जाओगे। वक्त का पहिया जब घूमता है तो कंगाल होने में देर नहीं लगती। मानव को हमेशा अतीत का आईना देखते रहना चाहिए ताकि अहसास होता रहे कि ऐसे भी दिन थे दिन एक जून की रोटी नसीब नहीं होती थी आज जब समय बदला तो अपना गुजरा हुआ वक्त भूल रहा है। आदमी भले ही कितना बड़ा बन जाए अतीत की परछाईयां उसका दामन नहीं छोड़ती मरते दम तक साथ रहती हैं। । वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मयार्दा में रहकर ही हर काम करना चाहिए। आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए। किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है। समय के पास सबका लेखाजोखा है। मानव को समय से डरना चाहिए न जाने कब कैसा समय देखना पड़े। समय का मिजाज पता नहीं कब बदल जाए। समय ने बड़े से बड़े तानाशाहों को धूल चटा दी जो समय के खिलाफ चले थे मिटटी में मिल गए। आज मानव के पास अच्छा करने का समय ही नहीं है जबकि बुरा करने के लिए समय ही समय है। मानव कितन भी अमीर हो जाए अपना गुजरा हुआ समय नहीं खरीद सकता। आज लोग मोबाईल फोन पर समय बरबाद कर रहे है। चौबीसों घंटे सोशल मीडिया पर व्यस्त रहते है। समय की जिसने कदर की समय ने उसे उचाईयां दी है। मानव को चाहिए कि समय के हर एक मिनट और सैकंड व घंटों का सही सदुपयोग करे। जो समय के साथ निर्बाध गति से चला समय ने उसे मंजिल तक पहुंचाया है। समय से डरो अच्छे कर्म करो। जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए, खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी। समय मानव को कई रंग दिखाता है। समय -समय पर मानव की परीक्षा लेता रहता है। समय का सही मायने में सम्मान करो। समय अनमोल है व दुर्लभ है। सुख में तो सभी साथ होते है मगर दुख में साथ छोड देते है ,आदमी आज गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव ने भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है। वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए। ताकि विपतीयो का अहसास होता रहे। आदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विश्वास रखना चाहिए। समय यही सिखाता है कि किसी का समय बरबाद मत करो। समय कीमती है जिसने समय की कीमत जान ली है वह हर जगह सफल होता है। आज अच्छाई के लिए समय नहीं है। बुराई के लिए हर समय तैयार है। समय एक जैसा नहीं रहता आज अच्छा है कल का पता नहीं होगा। समय को पहचानो तभी समय आपको एक अलग पहचान देगा। समय रेत की तरह हर पल फिसल रहा है समय को बांधा नहीं जा सकता यह अटल सत्य है। समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है। समय के पाबंद बने। अगर समय के साथ नहीं चलोगें तो पिछड़ जाओगें। समय का प्रबंधन करें। समय सारणी बनाएं और हर पल का फायदा उठाएं। समय का सदुपयोग करें और अपने जीवन को खुशहाल बनाएं। समय सबसे बड़ा गुरु है।

हिंदी में शपथः नए भारत की भाषाई चेतना का निर्णायक उद्घोष

ललित गर्ग

भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मनोवैज्ञानिक चेतना का नया शुभारंभ है। यह वह क्षण है जिसने भाषा को लेकर दशकों से चले आ रहे संकीर्ण विवादों, राजनीतिक विरोधाभासों और कृत्रिम विभाजनों पर एक गहरी चोट की है। हिंदी में शपथ का यह निर्णय राष्ट्रीय मानस में इस भावना को पुनः स्थापित करता है कि भाषा का प्रश्न केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है। यह निर्णय उस विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है जिसमें विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है।

भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औजार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुनः उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं। यह कदम यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी की संस्थाएँ अब संकोच नहीं, आत्मविश्वास के साथ भारत की भाषा में अपने कर्तव्यों की शुरूआत कर रही हैं।

हिंदी को लेकर जो विरोधाभास पैदा किया जाता रहा है, वह वास्तव में एक कृत्रिम एवं आग्रह-दुराग्रहपूर्ण द्वंद्व है। आज के वैश्विक दौर में भाषा का महत्व उसकी लोकस्वीकृति और उपयोगिता से तय होता है। हिंदी वैश्विक भाषाओं की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ रही है। करीब 113 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है. 111 करोड़ के साथ चीनी दुसरे स्थान पर है,इसके बाद हिन्दी का स्थान आता है। करीब 61.5 करोड़ विश्व में, हिन्दी को बोलने वाल लोगों की संख्या के आधार पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त है। हिंदी का प्रभाव विश्व में बढ़ रहा है और यह सोशल मीडिया व संचार माध्यमों में भी लगातार उपयोग हो रही है। दुनिया भर के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। देवनागरी लिपि को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपियों में से एक माना जाता है। भारत सरकार की पहल के बाद से, संयुक्त राष्ट्र ने भी साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन शुरू किया है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मोरिशस, दक्षिण अफ्रीका, खाड़ी देशों और यूरोप में हिंदी सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन का विस्तार हुआ है। हिंदी फिल्में, वेब प्लेटफॉर्म और मीडिया विश्व संस्कृति पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। यह वह समय है जब हिंदी वैश्विक मंच पर उभर रही है, लेकिन अपने ही देश में उसे राजनीति और संकीर्णताओं का शिकार होना पड़ रहा है। यही वह असंगति है जिसे न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शपथ ने बड़े सौम्य किंतु तीव्र संदेश के साथ उजागर किया है कि जब दुनिया हिंदी को सम्मान दे रही है तो भारत में उसकी उपेक्षा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

राष्ट्रीय प्रतीक केवल वस्तुएँ नहीं होते, वे राष्ट्र की चेतना के वाहक होते हैं। राष्ट्रध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, करोड़ों लोगों के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रगान केवल धुन नहीं, बल्कि भारत की समष्टिगत भावना का सूत्र है। उसी प्रकार राष्ट्र की भाषा-चाहे उसे हम राजभाषा कहें या राष्ट्रभाषा भारतीय पहचान और राष्ट्रीय एकता का अदृश्य धागा है। नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम इन प्रतीकों का सम्मान केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि हृदय में करें। हिंदी को लेकर जो संकोच, झिझक और कृत्रिम विरोध दशकों से बना हुआ था, वह राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए बाधक था। हिंदी में शपथ लेकर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मानसिक दरार को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का साहसिक कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से लेकर ब्रिक्स, जी-20 और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हिंदी में संबोधन देकर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी भाषा को लेकर हिचकता नहीं, बल्कि गर्व करता है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर ऐतिहासिक परंपरा की शुरूआत की थी। उनकी वाणी में हिंदी केवल शब्द नहीं थी, बल्कि भारत की आत्मा की ध्वनि थी। नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को राष्ट्रीयता, आधुनिकता, आत्मविश्वास और वैश्विक उपस्थिति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्हें यह समझ थी कि भाषा राष्ट्रीय चेतना की नींव होती है, और जिस राष्ट्र को विश्व नेतृत्व की आकांक्षा है, उसे अपनी भाषा पर गर्व करना ही होगा। जब राष्ट्र का प्रधानमंत्री अपनी भाषा को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाता है और जब राष्ट्र का प्रधान न्यायाधीश उसी भाषा में शपथ लेता है, तब यह संकेत मिलता है कि नए भारत की भाषा नीति संकोच नहीं, बल्कि स्वाभाविक भारतीयता की पुनर्स्थापना है।

हिंदी केवल भावनात्मक आग्रह नहीं है। यह शासन, न्याय, शिक्षा, प्रशासन, मीडिया और तकनीक की भाषा बनती जा रही है। डिजिटल इंडिया और नई तकनीकी क्रांति में हिंदी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में हिंदी शीर्ष पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन अनुवाद और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी का उपयोग बढ़ाना भारत की ज्ञान-आर्थिक उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी भाषाई आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है। जितनी अपनी भाषा मजबूत होगी, उतना ही विचार-निर्माण, नवाचार और जनसक्रियता मजबूत होगी। इस दृष्टि से हिंदी के प्रति उपेक्षा केवल सांस्कृतिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को बाधित करने वाला संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी दृष्टिकोण भी है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ वास्तव में एक वैचारिक उद्घोष है। यह घोषणा है कि भाषा को लेकर चलने वाला हमारा पुराना आत्मद्वंद्व समाप्त होना चाहिए। राष्ट्रभाषा का सम्मान किसी क्षेत्र या समुदाय पर थोपा हुआ बोझ नहीं, बल्कि वह प्राकृतिक बंधन है जो विविधता को सामूहिकता में बदलता है। यह वह बंधन है जो भारत को भारत बनाता है। यह वह अदृश्य

शक्ति है जो उत्तर से दक्षिण, पि म से पूर्व और ग्रामीण से महानगरीय भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है, व्यापार एवं विकास को गति देता है। हिंदी किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, वह तो स्वयंस्फूर्त रूप से जनमानस की भाषा बन चुकी है। उसका विरोध अब एक राजनीतिक नाटक भर रह गया है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं। नए भारत ने अपने संकोचों को त्यागना शुरू कर दिया है। अपनी परंपराओं, अपने प्रतीकों और अपनी भाषा पर गर्व करना नया मानसिक स्वरूप बनता जा रहा है। न्यायपालिका से लेकर कार्यपालिका तक और वैश्विक मंचों से लेकर डिजिटल मंचों तक-हिंदी का सम्मान बढ़ रहा है। यह सम्मान न किसी के आदेश से आया है, न किसी दवाब से; यह सम्मान राष्ट्र की आत्मा से उठा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ नए भारत की सांस्कृतिक स्वाधीनता का प्रतीक बन गई है। यह उस स्वाभिमान का उद्घोष है कि भारत अब अपनी भाषा से संकोच नहीं करेगा। यह वह क्षण है जिसने भाषा के प्रश्न को संवैधानिक गरिमा और राष्ट्रीय चेतना के सर्वोच्च स्तर पर स्थापित कर दिया है। इस कदम ने यह सिद्ध कर दिया है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा का प्रकाश है, एक ऐसा प्रकाश जो आत्मविश्वास, सांस्कृतिक प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय एकता की नई राहें रोशन कर रहा है। यही वह दिशा है जिसमें नया भारत आगे बढ़ रहा है-अपनी भाषा में, अपने स्वभाव में और अपनी अस्मिता में आत्मविश्वास से भरपूर।

भारतीय संविधान दिवस: नोखा में संविधान की प्रस्तावना का संकल्प वाचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नोखा।

सोहनलाल परिहार । शहीद श्रीकालूराम मेघवाल सेवा समिति, नोखा की ओर से बुधवार को भारतीय संविधान दिवस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में समिति के सभा भवन में समारोहपूर्वक 'संविधान दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों और समिति में अध्ययनरत छात्रों ने एकजुट होकर भारतीय संविधान की प्रस्तावना का संकल्प के साथ वाचन किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मूलाराम कालवा (वरिष्ठ सदस्य व शिक्षक): उन्होंने कहा कि हमें भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मूल कर्तव्यों पर भी पूरी निष्ठा से अमल करना चाहिए।ओमप्रकाश (एएसआई, आबकारी विभाग): उन्होंने भारतीय संविधान की मुख्य धाराओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। रामदयाल मेहरड़ा (समिति कोषाध्यक्ष व भाजपा के पूर्व मण्डल अध्यक्ष): उन्होंने सभी को संविधान के मूलभूत प्रावधानों और नियमों के बारे में जानकारी रखने और उनका पालन

करने पर विशेष जोर दिया। पार्षद प्रतिनिधि सहीराम बरोड़, मनीराम (सरपंच प्रतिनिधि माडिया), मनोज कुमार, और शंकर लाल मुकाम आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सहायक प्रशासनिक अधिकारी सोहनलाल बरोड़, आसुराम तालणिया, गंगाराम चौहान सहित समिति के कई सदस्यगण और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। यह प्रस्तुति समाचार की मुख्य बातों को स्पष्ट शीर्षक और उप-शीर्षकों के साथ उजागर करती है।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा के साथ कर्मचारियों ने किया संविधान की प्रस्तावना का वाचन

हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर संविधान की प्रस्तावना का वाचन कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने बुधवार को लघु सचिवालय परिसर में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर कार्यक्रम आयोजित कर संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया। भारत के संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया?। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि

भारत का संविधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों का आधार है। यह हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान करता है और एक बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में हमारा मार्गदर्शन करता है।संविधान के वर्षों की यह यात्रा हमारे देश की विविधता, एकता और लोकतांत्रिक उपलब्धियों का प्रतीक है। उन्होंने कहा संविधान ने न केवल हमें अधिकार दिए हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि हर नागरिक को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। हम सभी का यह दायित्व है कि हम संविधान में निहित मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और पारदर्शिता से कार्य करें और संविधान में वर्णित मूल्यों का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हमारे लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। इसे केवल याद रखना ही नहीं बल्कि इसे अपने कार्य और आचरण में शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम में सभी उपस्थित अधिकारी और कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावना को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस दौरान एआईपीआरओ डॉ विनय बैनीवाल, अधीक्षक मुकेश बजाज, रीडर राजेश कुमार, गौतम वधवा, राजीव, अमित नैन, बलराज चौहान सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहें।

संविधान दिवस पर चिकित्सा सेवा के नाम सम्मान, गोठवाल दंपति हुए अलंकृत

भीम प्रज्ञा न्यूज़

बीकानेर। 76वें संविधान दिवस पर शहर में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएँ देने वाले डॉ. जयदीप गोठवाल और डॉ. राज क्रांति को विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में फॉरेंसिक मेडिसिन के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जयदीप गोठवाल और राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, बीकानेर में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राज क्रांति के योगदान को सराहा गया। सम्मान समारोह में केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, डूंगरगढ़ विधायक ताराचंद पाराशर, बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, संभागीय आयुक्त विश्राम सिंह मीणा तथा एडिशनल एसपी बनवारी लाल मीणा ने संयुक्त रूप से दंपति को सम्मानित किया। मंच से वक्ताओं ने कहा कि गोठवाल दंपति ने चिकित्सा शिक्षा, रोगी सेवा और समाजिक सरोकारों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। संविधान दिवस पर मिला यह सम्मान उनके समर्पण, अनुशासन और पेशेवर उत्कृष्टता की पूरी तरह पुष्टि करता है। इस उपलब्धि से बीकानेर के चिकित्सा जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है और स्थानीय समुदाय ने भी दंपति को शुभकामनाएं दी हैं।

पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना 132वें दिन भी जारी

खेजड़ला रोही नोखा दईया के धरने को आज 497 वां दिन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर/खेजड़ला रोही।

सोहनलाल परिहार । खेजड़ला रोही नोखा दईया में पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना आज 132वें दिन भी जारी रहा। खेजड़ला रोही नोखा दईया के इस धरने को आज 497वां दिन है। इस मौके पर धरना स्थल पर संविधान दिवस मनाया गया और देश में संविधान विरोधी ताकतों के खिलाफ रोष प्रकट किया गया।धरने पर बैठे कोलासर के पूर्व सरपंच एवं मेघवाल समाज के जिला अध्यक्ष रामदेव मेघवाल ने कहा कि मौजूदा वक्त में दूषित पर्यावरण एक गंभीर समस्या है। खेजड़ी व अन्य पेड़पौधे और वनस्पति बचाकर ही इस समस्या से निजात पाई जा सकती है। आज धरने पर अर्जुनराम कूकणा शिवदान मेघवाल कॉमरेड जेठाराम लाखूसर परताराम चौधरी ताहिर खान गिरधारी कूकणा रामसिंह राहड़ रामप्रताप वर्मा शरीफ समेजा कॉमरेड मूलचन्द खत्री गंगाबिशन सियाग बुधराम सिगड़ हनुमान काकड़

मेघराज रेगर फारूक भाटी रेवन्तराम मेघवाल अरूण कुमार वैध हनुमानराम बिशनोई महेन्द्र भादू रमेश मेघवाल भँवरलाल चन्दन पूनमराम रिख दूलाराम मेघवाल हीरू खां टावरी पीर अमीन शाह सरजू गहलोत धर्मपाल मण्डा श्यामसुन्दर पाणेचा जाहिद खान गिरधारी लाल नवाब अली जगदीश गोदारा जगदीश ज्याणी मोहरसिंह पचार धर्मपाल लाम्बा रामकुमार कुम्हार श्रीकृष्ण राजेन्द्र मण्डा रामकिशन मण्डा इमीलाल मण्डा हेमन्त किराडू अशोक पुरोहित अर्जुनलाल सत्य नारायण कुलड़िया बद्रीनारायण मूलचन्द जहांगीर इंजि.ओम प्रकाश बिशनोई व अविनाश व्यास आदि साथी शामिल रहे।

उपखंड कार्यालय पर 97वें दिन भी धरना जारी: अजय कुमार बलाई हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमकाथाना।

सीकर जिले के नीम का थाना स्थित उपखंड कार्यालय के मुख्य द्वार पर अजय कुमार बलाई के हत्याकाण्ड में लिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर चल रहा। धरना-प्रदर्शन बुधवार को 97वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारी लगातार प्रशासन से हत्या के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं। धरना स्थल पर सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के कई प्रमुख लोग शामिल हुए और पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग उठाई। इनमें प्रमुख रूप से भूतपूर्व सैनिक रामसहाय वर्मा, अखिल भारतीय कुशवाहा सैनी माली महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष गजानन्द सैनी, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद, नीमकाथाना के अध्यक्ष हरिराम मीना और सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट अरविन्द नारवारा शामिल हुए। एडवोकेट नारवारा बाडलवास, खेतड़ी के रहने वाले हैं और वर्तमान में पिपराली रोड, कृष्णा होटल, भीम स?सद कार्यालय सीकर से इस आंदोलन में अपनी भागीदारी दे रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट अरविन्द नारवारा ने इस

अवसर पर कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो धरने के 100वें दिन (तीन दिन बाद) सीकर के पुलिस अधीक्षक (SP) को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। प्रदर्शनकारी और सहयोगी संगठनों ने चेतावनी दी है कि जब तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक उनका यह धरना और प्रदर्शन जारी रहेगा।

NSUI राजस्थान द्वारा 'संविधान बचाओ, देश बचाओ - रन फॉर संविधान बचाओ, देश बचाओ' मैराथन का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन राजस्थान द्वारा 'संविधान बचाओ, देश बचाओ - RUN FOR संविधान बचाओ, देश बचाओ' मैराथन का भव्य आयोजन जयपुर के चित्रकूट स्टेडियम में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत झंडारोहण एवं संविधान की शपथ ग्रहण के साथ हुई, जिसके बाद सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक दौड़ की शुरुआत की। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि यह मैराथन संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप नगद राशि एवं सम्मान पत्र भेंट किए। मैराथन में आमेर विधायक प्रशांत शर्मा, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, सेवादल के प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत, सांगानेर कांग्रेस प्रत्याशी

पुष्पेन्द्र भारद्वाज, कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता, एनएसयूआई पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। मैराथन के माध्यम से युवाओं ने संविधानिक मूल्यों को संरक्षित रखने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ।

मजदूर-विरोधी लेबर कोड के खिलाफ नारनौल में जोरदार प्रदर्शन, रद्द करने की मांग

राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, 14 दिसंबर को कुरुक्षेत्र में ष्टरू निवास पर विशाल प्रदर्शन की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए मजदूर-विरोधी चार लेबर कोड के खिलाफ आज ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा (मुख्यालय महेंद्रगढ़) और मजदूर अधिकार संघर्ष अभियान (मासा) महेंद्रगढ़ जिला इकाई के साथियों ने नारनौल में जोरदार प्रदर्शन किया। मजदूरों ने अम्बेडकर स्टैच्यू से लेकर लघु सचिवालय तक मार्च निकाला और लघु सचिवालय पर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने इन श्रम संहिताओं को रद्द करने तथा ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन एसडीएम श्री अनिरुद्ध यादव के माध्यम से सौंपा। प्रदर्शनकारी मजदूरों को संबोधित करते हुए ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा के महासचिव कॉमरेड सुभाषचंद्र एडवोकेट ने कहा कि केंद्र सरकार ने मजदूर संगठनों के विरोध को दरकिनार करते हुए पूंजीपतियों के हित में बनाए गए चार श्रम संहिताओं को 21 नवंबर 2025 की अधिसूचना से लागू कर दिया है। उन्होंने इसे दशकों की लड़ाइयों से अर्जित श्रम अधिकारों को एक झटके में समाप्त करने वाला और करोड़ों मजदूरों के सामाजिक-आर्थिक अस्तित्व पर गंभीर हमला बताया। यह संहिताएं संगठित होने यूनियन बनाने सामूहिक सौदेबाजी और संघर्ष करने जैसे मूल जनवादी अधिकारों को लगभग समाप्त करती हैं। 300 तक श्रमिकों वाली इकाइयों को मनमानी छँटनी व तालाबंदी की खुली छूट देकर रोजगार सुरक्षा को खत्म कर दिया गया है। कॉ. सुभाषचंद्र ने सरकार की श्रम शक्ति नीति-2025 पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह श्रम को धार्मिक आवरण देकर मनुस्मृति जैसे प्रतिक्रियावादी ग्रंथों का हवाला प्रस्तुत करती है जो भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत है।

14 दिसंबर को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदर्शन

कॉ. सुभाषचंद्र एडवोकेट ने घोषणा की कि मजदूर विरोधी लेबर कोड को रद्द करवाने सहित प्रदेश सरकार की मजदूर कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ मजदूर अधिकार संघर्ष अभियान (मासा) के बैनर तले संघर्ष तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि आगामी 14 दिसंबर को नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित

निवास पर मजदूरों का विशाल विरोध प्रदर्शन किया जाएगा जिसमें ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा बढ़-चढ़कर भाग लेगी।

सफाई कर्मचारियों की उपेक्षा का विरोध

यूनियन के प्रधान जुगेश कुमार ने हरियाणा सरकार द्वारा ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की उपेक्षा का कड़ा विरोध किया और कहा कि राज्य सरकार उनकी न्यायसंगत मांगों पर कोई संज्ञान नहीं ले रही है। यूनियन नेताओं कृष्ण हरिराम मंजू योगेश नाजू राम राजबीर महेंद्र लाल चंद व अन्य ने भी अपने संबोधन में चारों लेबर कोड का कड़ा विरोध किया। ज्ञापन में प्रमुख मांगें पूरी की मांग करते हुए बताया कि 21/11/2025 की चारों श्रम संहिताओं से संबंधित अधिसूचना रद्द की जाए। चारों श्रम संहिताएँ रद्द कर पुराने श्रम कानून पूर्ववत लागू किए जाएँ। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी घोषित कर ?28,000 न्यूनतम वेतन निर्धारित किया जाए तथा वेतन समय पर दिया जाए। सफाई कार्य हेतु आवश्यक औज़ार उपलब्ध कराए जाएँ और प्रतिवर्ष ?10,000 औज़ार भत्ता दिया जाए। महिला कर्मचारियों को मातृत्व लाभ पुरुषों को चाइल्ड-केयर लीव तथा प्रतिवर्ष ?8,000 ड्रेस भत्ता दिया जाए।गजेटेड छुट्टियों के अतिरिक्त प्रतिवर्ष 45 दिन की छुट्टियाँ दी जाएँ। प्रत्येक 250 जनसंख्या पर एक सफाई कर्मचारी नियुक्त किया जाए एवं बेगार प्रथा समाप्त की जाए।सेवानिवृत्ति पर ?10,00,000 की राशि पेंशन सुविधा और मृतक कर्मचारी के आश्रित को अनुकंपा नौकरी दी जाए। नसीबपुर (जिला महेंद्रगढ़) स्थित ईएसआई अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार किया जाए। मानदेय वितरण में सरपंचों का हस्तक्षेप रोका जाए और मनमाने ढंग से कर्मचारियों की हटाई बंद की जाए। सिहमा खंड के नवंबर 2023 के लंबित वेतन का तुरंत भुगतान किया जाए। सभी ग्राम पंचायतों में ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जाएँ तथा ट्रैक्टर-ड्राइवरों को नियमित कर न्यूनतम वेतन दिया जाए। 11 जून 2025 (कबीर जयंती) को घोषित सुविधाओं का गजट नोटिफिकेशन जारी कर तुरंत लागू किया जाए।

सेवा कार्यों के लिए जाने जाते हैं निवास सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । शेखावाटी अंचल के वाशिंदों ने व्यापार, उद्योग, कला, खेल, साहित्य आदि अनेक क्षेत्रों में अपनी सफलता का परचम लहराया है। ऐसी ही एक शख्सियत हैं जिन्होंने सेवा कार्य के क्षेत्र में अपनी अलग ही पहचान कायम की है। जी हां हम बात कर रहे हैं शेखावाटी अंचल में शिक्षा नगरी के नाम से जानी जाने वाली वाली पिलानी निवासी निवास सैनी (पवार) की। सेवा कार्य के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले निवास सैनी पंवार का जन्म 25 मई 1975 को हुआ। इन्होंने 1999 में पिलानी से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री हासिल कर मुम्बई की ओर रुख

किया। जहां बांसवाड़ा सिंटेक्स लिमिटेड कंपनी की मुम्बई हैड आफिस में पिछले अढ़ाई दशक से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। हंसमुख और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी निवास सैनी ने मुम्बई में सेवा के क्षेत्र में अपनी अलग मुस्कान बिखेरी हुई। शेखावाटी अंचल के मुम्बई में होने वाले सभी सामाजिक, सार्वजनिक, सांस्कृतिक व व्यक्तिगत कार्यो में समर्पण भाव से अपनी सेवाएं देते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शेखावाटी अंचल के मुम्बई में रहने वाले लोगों की प्रमुख सामाजिक संस्था सैनी प्रगति मंडल एवं सैनी युवा प्रतिष्ठान की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले दीपावली स्नेह मिलन समारोह, होली मिलन समारोह व प्रतिभा सम्मान समारोह में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए तैयारियों से लेकर व्यवस्था का इंतजाम करने आयोजन को सफल बनाने समाज के लोगों को जोड़ने आदि के लिए लगन औ मेहनत के साथ अपनी सेवाएं देते हुए सैनी युवा प्रतिष्ठान में सचिव पद व सैनी प्रगति मंडल के एमिटी मेंबर का दायित्व बखूबी निभा रहे हैं। सबसे विशेष और महत्वपूर्ण बात यह भी है कि समाज में शादी के योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा व जानकारी के साथ काफी समाज के लोगों के मेल मिलाप कराते हैं । इस दौरान सगाई से लेकर शादी तक अपनी सेवाएं दोनों पक्षों को समर्पित भाव से देते हैं। समाज में रचनात्मक व सकारात्मक कार्यों के साथ साथ सभी के लिए सहयोग की भावना कका भाव ही रखते हैं।

लक्ष्मणगढ़ नगर हुआ 220 साल का, दीपोत्सव व आतिशबाजी के साथ मनाया स्थापना दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ नगर को रावराजा लक्ष्मणसिंहजी ने विक्रम संवत 1862 में बसाया था। बुधवार को लक्ष्मणगढ़ नगर 220 साल का हो गया है। नगर की सामाजिक संस्था लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट एवं रावराजा लक्ष्मणसिंह स्मृति संस्थान ने 220वें स्थापना दिवस पर दीपोत्सव? कर आतिशबाजी के साथ मनाया गया। दीपोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीरघुनाथजी मंदिर के महंत अशोक दास महाराज ने मंदिर परिसर में दीपोत्सव करके किया। महंत अशोक दास महाराज ने कहा कि राम-जानकी विवाह की वर्ष गांठ के शुभ अवसर पर विक्रम संवत 1862 मार्गशीर्ष सुदी पंचमी को लक्ष्मणगढ़ नगर की स्थापना की गई थी। साथ ही नगर के अराध्य देव श्रीरघुनाथजी के बड़े मंदिर की नींव रखी गई थी। रावराजा लक्ष्मणसिंह स्मृति संस्थान के संयोजक रतनसिंह बगड़ी एवं लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के संरक्षक प्रकाश पासोरिया ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ नगर को महानगर जयपुर के मानचित्र पर बसाया गया था।

नगर की स्थापना पर दीपोत्सव व आतिशबाजी का आयोजन किया गया। इस मौके पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के संरक्षक प्रकाश पासोरिया, गिरधारी लाल जाजोदिया, सुभाष जोशी, प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, सुनील कुमार माली, रमेश छिंछासवाले, अमित सोनी, लोकित दईया, विवेक तंवर, रावराजा लक्ष्मणसिंह स्मृति संस्थान के संयोजक रतन सिंह बगड़ी, विनोद गोंड, सुरेश बीबीपुरीया, पंडित विमल जोशी, रियांश जाजोदिया हित प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जाजोदिया प्रदेश उपाध्यक्ष व गुप्ता प्रदेश सचिव बने

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग, प्रदेश अध्यक्ष गिरीश गर्ग व राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष हेमराज जिंदल के निर्देशानुसार प्रदेश युवा अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने प्रदेश महामंत्री विनीत बंसल एवं संदीप बजाज की सहमति से सामाजिक उत्साही कार्यकर्ता पूर्व पार्षद राजेश जाजोदिया को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं व्यवसायी अनुभव गुप्ता को प्रदेश सचिव पद पर मनोनयन किया गया है । जाजोदिया व गुप्ता के मनोनयन पर अग्रवाल समाज के प्रबुद्ध जनों, उनके समर्थकों, सहयोगियों व शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है तथ प्रांतीय व राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

फतेहाबाद आर्थिक अपराध शाखा ने धान फर्जी पंजीकरण घोटाले में अन्य आरोपियों को भी दबोचा

इस मामले में अब तक कुल दस आरोपीकिये जा चुके हैं गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रतिया/टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के निर्देशानुसार आर्थिक अपराधों पर त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई के तहत फतेहाबाद की आर्थिक अपराध शाखा ने धान फर्जी पंजीकरण घोटाले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में कुल दस आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। अब गिरफ्तार किए आरोपियों की पहचान यसपाल पुत्र मान सिंह, निवासी वार्ड नं. 1, रतिया और सुरजीत सिंह पुत्र गुलजार सिंह, निवासी बुर्ज के रूप में हुई है। इससे पहले भी इस घोटाले में आठ अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। आर्थिक अपराध शाखा के प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि 8 सितंबर 2022 को उप-निरीक्षक राजेश कुमार (मुख्यमंत्री उड़नदस्ता, हिसार) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ आरोपियों ने सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मिलीभगत करके फतेहाबाद के सरकारी पोर्टल पर आम लोगों की भूमि का फर्जी पंजीकरण करवाया। इस धोखाधड़ी के माध्यम से आरोपी न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के तहत धान का भुगतान हासिल करते थे, जिससे सरकारी खजाने को गंभीर आर्थिक नुकसान हुआ।

अटेली सहकारी विपणन समिति लि. का अधिकार गणियार निवासी चेतन देव को चुनाव लडने व वोट डालने का अधिकार मिला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । बहुउद्देशीय केंद्र प्राथमिक कृषि सहकारी समिति अटेली की प्रबंधक कमेटी की बैठक बुधवार को हुई। आज की हुई कार्यवाही के लिखने का अधिकार प्रबंधक विजय कुमार पैक्स को दिया। बैठक में दी अटेली सहकारी विपणन समिति लि. का अधिकार गणियार निवासी चेतन देव को चुनाव लडने व वोट डालने का अधिकार सर्वसम्मति से दिया गया। इस मौके पर डीसी जगत सिंह, इंस्पेक्टर अजय कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे। अधिकार मिलने पर अटेली स्थित स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय पर मार्केट कमेटी चेयरमैन दिनेश जेलदार व सचिव

गोविंद गोस्वामी की मौजूदगी में लड्डू बांटकर खुशियां बांटी गयी। इस मौके पर चुनाव लड़ने व वोट डालने का अधिकार मिलने पर चेतन देव ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के आशीर्वाद से यह जिम्मेदारी मिली है, इसका बखूबी निभाया जाएगा। अधिकार मिलने पर कहा कि पैक्स में किसानों के खाद बीज के लिए अपने स्तर पर विशेष कार्य किए जाएंगे। इस मौके पर अटेली ब्लॉक समिति चेयरमैन राजेंद्र, कापरेटिव अटेली पैक्स के पूर्व चेयरमैन रविंद्र पहलवान, जितेंद्र बोहरा, सतपाल, राहुल, इंद्रजीत यादव, राजेश कुमार, डीके धन्नौदा आदि मौजूद रहें।

ऑपरेशन 'ट्रैकडाउन' में फतेहाबाद पुलिस की बड़ी सफलता

एक ही दिन में 5 कुख्यात आरोपी सलाखों के पीछे, अब तक 67 अपराधी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' का प्रभाव लगातार दिखाई दे रहा है। अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस ने एक ही दिन में 5 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजकर एक और बड़ी सफलता अर्जित की है। अब तक 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' के दौरान हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, लूट, स्नैचिंग, अवैध हथियार रखने, संगठित अपराध सहित कई गंभीर धाराओं में शामिल कुल 67 आरोपियों को पुलिस सलाखों के पीछे भेज

चुकी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह अभियान विशेष रूप से उन अपराधियों के विरुद्ध चलाया जा रहा है, जो लगातार दोहराए जाने वाले अपराधों में शामिल हैं तथा जिनका पूर्व में भी विस्तृत आपराधिक रिकॉर्ड है, फतेहाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत जिले में संगठित अपराध से जुड़े, बार-बार अपराध करने वाले तथा अवैध हथियार रखने वाले किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने सभी टीमों की सराहना करते हुए कहा कि 'फतेहाबाद को अपराधमुक्त बनाना हमारा संकल्प है, और यह अभियान पूरी सख्ती के साथ आगे भी जारी रहेगा।'

अम्बेडकर चौक स्थित सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे पर प्रशासन सख्त

नगर परिषद टोहाना की शिकायत पर छह व्यक्तियों पर मुकदमा दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

अम्बेडकर चौक स्थित सार्वजनिक भूमि को अवैध रूप से हड़पने के प्रयास के गंभीर मामले में नगर परिषद टोहाना की शिकायत पर थाना शहर टोहाना पुलिस द्वारा छह व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह भूमि लंबे समय से पुराने बस अड्डे एवं पब्लिक शौचालय के रूप में उपयोग की जाती रही है, जिसे कुछ व्यक्तियों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के सहारे निजी संपत्ति बताने की कोशिश की जा रही थी। नगर परिषद टोहाना के कार्यकारी अधिकारी पंकज ढाण्डा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया कि रजनी पत्नी अमरजीत सिंह, पारुल पुत्र अमरजीत सिंह, राहुल पुत्र अमरजीत सिंह (सभी निवासी वार्ड 18 टोहाना), रणबीर पुत्र राकेश कुमार (निवासी जमालपुर शेखा), रामनारायण पुत्र नरेश कुमार (निवासी प्रेम नगर, नरवाना) तथा सुनील खोबड़ा पुत्र खुशी राम (निवासी रविदास नगर, टोहाना) ने गलत तथ्यों के आधार पर प्रॉपर्टी आईडी बनवाने, फर्जी सीमाएं दर्शाने तथा ऑनलाइन सिस्टम का दुरुपयोग करते हुए सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने की साजिश रची। शिकायत का संज्ञान लेते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने उपरोक्त सभी आरोपियों पर बीएनएस की धारा 318(4), 336(3), 338, 340 और 61 के तहत संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में प्रारंभिक जांच में अनेक चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। उपमंडल अधिकारी (ना0) टोहाना द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में कई महत्वपूर्ण तथ्य उजागर हुए, जिनसे शिकायत के आरोपों को मजबूती मिली है। वसीका नंबर 2262 (दिनांक 13.09.2024) और वसीका नंबर 2802 (दिनांक 25.10.2024) में जिन प्रॉपर्टी आईडी व स्थानों का उल्लेख है, उनकी वास्तविक स्थिति मौके से मेल नहीं खाती। विक्रेता और खरीददार पक्ष ने अलग-अलग स्थानों की प्रॉपर्टी को अम्बेडकर चौक की भूमि से जोड़कर प्रस्तुत करने का प्रयास किया। यूएलबी पोर्टल पर एक ही स्थान के लिए कई प्रॉपर्टी आईडी दर्ज मिलीं, जिनमें से एक में मालिकाना हक 'बस स्टैंड' दर्शाया गया है। यह तथ्य स्वयं में सार्वजनिक भूमि होने की पुष्टि करता है। प्रस्तुत दस्तावेजों और मौके की स्थिति में गंभीर विरोधाभास पाए गए, जो साजिश के संकेत देते हैं।इस पर नगर परिषद की ओर से स्पष्ट किया गया कि आरोपित व्यक्तियों ने जानबूझकर तथ्य छिपाते हुए और फर्जी विवरण प्रस्तुत कर सार्वजनिक भूमि को निजी संपत्ति के रूप में दर्शाने का प्रयास किया, जो कानूनन गंभीर अपराध है और इससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचने की आशंका थी। नगर परिषद की शिकायत और एसडीएम जांच रिपोर्ट के आधार पर शहर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वेटर पाकर स्कूल के बच्चों के खिले चेहरे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

ग्राम सिंगोदडा में अवस्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हरिराम जी का मंदिर में पीईओ राकेश ढाका की अध्यक्षता में पूर्व शिक्षक परतूराम मानासी की स्मृति में स्वेटर वितरण किया गया।इस अवसर पर जाजोद बालिका के प्राचार्य रामचंद्र खीचड़,अलखपुरा गोदारान के प्राचार्य अशोक राव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।इस अवसर पर स्वेटर वितरण करने के उपलक्ष में भामाशाह रवि कड़वासरा मानासी का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। पीईओ राकेश ढाका ने स्वेटर

वितरण करने वाले भामाशाह के पुनीत कार्य की प्रशंसा की तथा आगे भी इस प्रकार के पुनीत कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। संस्था प्रधान सरोज ने आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर प्रियंका महला, सुलोचना ढाका, सुमित्रा राव, एसएमसी के अध्यक्ष मगाराम दानोदिया, संदीप दानोदिया, रमेश कुमार,गीता देवी, अंकित,राजेश कुमार, लक्ष्मण, सुनील कुमार, छोटी देवी सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

संविधान दिवस,राष्ट्रीय विधि दिवस पर मोदी यूनिवर्सिटी में सामूहिक वाचन एवं विविध कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के एक्शन प्लान वर्ष 2025 के नवम्बर माह के निर्देशानुसार बुधवार को मोदी यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में संविधान दिवस, राष्ट्रीय विधि दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीकर द्वारा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया गया तथा संविधान दिवस के महत्व

एवं शासन में संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया गया। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के नवीन अभियान न्याय आपके द्वार के बारे में उपस्थित प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मोदी स्कूल ऑफ लॉ के विद्यार्थियों के बीच क्विज, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त विधि विद्यार्थियों द्वारा मॉक संसदीय सत्र आयोजित किया गया, जिसमें बाल अधिकारों से संबंधित विधेयक पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में कुल 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शेखावाटी में ब्रोंकोस्कोपी का एकमात्र सेंटर अब टीबड़ा हॉस्पिटल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

शेखावाटी क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए टीबड़ा हॉस्पिटल ने इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी शाखा की शुरुआत की है। ऑर्थोपेडिक्स एवं स्पाइन सर्जरी में अपनी विशेष पहचान बना चुके इस अस्पताल में अब फेफड़ों की बीमारियों के निदान के लिए अत्याधुनिक ब्रोंकोस्कोपी सुविधा शुरू की गई है।यह क्षेत्र का एकमात्र सेंटर है जहां फेफड़ों की दूरबीन से जांच (ब्रोंकोस्कोपी), गाइडेड बायोप्सी, फाइन नीडल एस्पिरेशन (FNA), ब्रशिंग और लैवाज जैसी सभी आधुनिक जांच सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। यह सभी जांचें आरजीएचएस, ईसीएचएस तथा टीपीए पैनल में भी मान्यता प्राप्त हैं। जाने-माने सीनियर इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. विपिन महला ने बताया कि बढ़ते प्रदूषण और जीवनशैली के कारण फेफड़ों की बीमारियों और कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि लंबे समय तक श्वास लेने में तकलीफ, लगातार खांसी या छाती में दर्द जैसे लक्षण बने रहें, तो ब्रोंकोस्कोपी जांच से रोग का शुरुआती

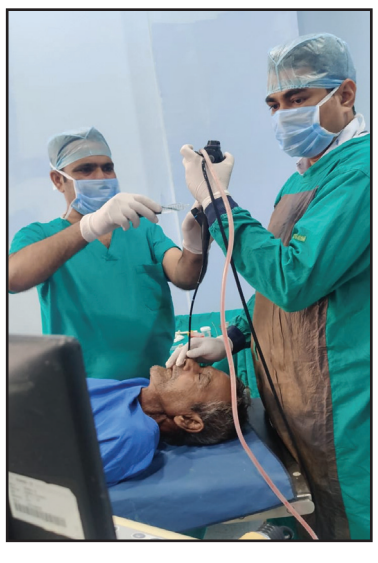

चरण में ही पता लगाया जा सकता है। डॉ. महला के अनुसार, ब्रोंकोस्कोपी एक डे केयर प्रोसीजर है जो पूरी तरह सुरक्षित और समय बचाने वाला है। पूरी प्रक्रिया में मात्र 20 से 25 मिनट का समय लगता है और मरीज उसी दिन घर जा सकता है। डॉ0 महला की नियमित सेवा टीबड़ा हॉस्पिटल में उपलब्ध है। टीबड़ा हॉस्पिटल द्वारा यह नई सुविधा शुरू किए जाने से शेखावाटी क्षेत्र के मरीजों को अब लंग और रेस्पिरेटरी रोगों के लिए जयपुर या अन्य महानगरों में जाने की जरूरत नहीं रहेगी।

विकट परिस्थितियों में भी खिलाड़ी अपने धैर्य को नहीं छोड़ता- यतेंद्र राव भाजपा जिला अध्यक्ष

अटेली कालेज की दो दिवसीय वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । राजकीय महाविद्यालय अटेली की 42 वीं दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन बुधवार को किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डा. यतेन्द्र राव जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी ने खिलाडियों को पुरस्कृत व प्रेरित किया। डा. यतेन्द्र राव ने खिलाडियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अनुशासन,समर्पण और संगठित रहना खिलाड़ी का पहला ध्येय होता है। विकट परिस्थितियों में भी खिलाड़ी अपने धैर्य को नहीं छोड़ता। इसी भाव का वह अपने सामाजिक जीवन में भी पालन करता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रवीण यादव, शिवरतन जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी व एडवोकेट नरेश शर्मा, मॉडल स्कूल भोजावास के प्राचार्य अशोक कुमार एवं डा. पुखराज ने खिलाडियों को प्रोत्साहित किया। प्राचार्य डा. राजेश सैनी ने विजेता खिलाडियों को साधुवाद दिया और अनुशासन व खेल भावना से खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।खेल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सत्यजीत ने सभी अतिथियों

का बैज और कैप पहनाकर स्वागत किया तथा डा. संजय शर्मा ने मंच संचालन किया। पहले दिन संपन्न हुई प्रतियोगिताओं में 200 मी पुरुष वर्ग में राजेश, दीपक और कृष दहिया ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मी महिला वर्ग में चंचल, शीतल और चंचल ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 800 मी महिला वर्ग में अंशुल, शीतल और वर्षा ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 800 मी पुरुष वर्ग में मोहित, विनय और दीपक सिंह ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाला फेंक प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में राजेश ने प्रथम और उत्तम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता में महिला वर्ग में चंचल, चंचल और निशा ने क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाया। चक्का फेंक प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में उत्तम कुमार, ऋषभ और विष्णु ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में उत्तम कुमार, विष्णु, और आनंद ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। चक्का फेंक महिला वर्ग में चंचल, चंचल और निशा ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 1500 मी पुरुष वर्ग में मोहित, दीपक, रितिक ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में गौरव ने प्रथम स्थान हर्ष और सन्नी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान और राजेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद प्रतियोगिता में महिला वर्ग में चंचल, अंशुल और निशा ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में मोहित, विनय और दीपक ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मी दौड़ महिला वर्ग में चंचल, शीतल और अंशुल ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।लंबी कूद प्रतियोगिता महिला वर्ग में चंचल बी ए ने प्रथम स्थान निशा ने द्वितीय स्थान में चंचल बीएसई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में आनंद ने प्रथम स्थान व सन्नी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डॉ राजेश यादव ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त परिवार उपस्थित रहा।

बीकानेर: बगला नगर में सड़क-सीवर समस्या पर फूटा गुस्सा, क्रमिक अनशन की चेतावनी

वार्ड 21 के नागरिकों ने जिला कलेक्टर व BDA आयुक्त को सौंपा ज्ञापन, विकास कार्यों की अनदेखी का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर शहर के बगला नगर, वार्ड 21 के नागरिकों ने वार्ड की मूलभूत समस्याओं, विशेषकर खराब सड़क और ध्वस्त सीवर व्यवस्था को लेकर आज जिला कलेक्टर और बीकानेर विकास प्राधिकरण (BDA) आयुक्त महोदय को एक ज्ञापन सौंपा। नागरिकों ने आरोप लगाया है कि स्थानीय प्रशासन उनके वार्ड में विकास कार्यों के प्रति लगातार अनदेखी कर रहा है। स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हसन अली गोरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इन समस्याओं को लेकर पहले 20 तारीख को धरना भी दिया गया था। उस दिन जिला कलेक्टर की अनुपस्थिति के कारण, आज पुनः ज्ञापन दिया गया और अधिकारियों से विस्तार से वार्ता कर समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की गई।वार्ड अध्यक्ष बिलाल अहमद ने प्रशासन के रवैये पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा 'हमने प्रशासन को लगातार ज्ञापन और समस्याओं से अवगत कराया है, लेकिन सरकार और

प्रशासन जानबूझकर हमारे वार्ड 21 के विकास कार्यों की अनदेखी कर रहा है।' नागरिकों ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी माँगे जल्द ही नहीं मानी जाती हैं, तो वार्ड के सभी लोग क्रमिक अनशन (भूख हड़ताल) पर बैठने के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल में मंडल अध्यक्ष मुकेश जोशी, प्रवक्ता हरिकिशन जाट, मीडिया प्रभारी सिकंदर राठौर, जिला कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद इस्लाम खिलजी और सद्दाम हुसैन गोरी, बरकत अली खिलजी, सैयद मोहम्मद इसाक, एडवोकेट रिजवान खान खन्ना, बरकत अली साइ, जाकिर हुसैन साइ, गुलजार अली गोरी, और रोशन अली राठौर आदि प्रमुख सदस्य शामिल थे।

श्री कुम्हार महासभा, जिला बीकानेर की बैठक में संगठन विस्तार के महत्वपूर्ण फैसले

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । श्री कुम्हार महासभा जिला बीकानेर की महत्वपूर्ण बैठक आज संरक्षक अशोक बोबरवाल और जिला अध्यक्ष त्रिलोकचंद गेदर की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें महामंत्री लक्ष्मण गुरिया, किशन संवाल, जेठाराम जालप और अर्जुन बोबरवाल सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संगठन विस्तार को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से किशन संवाल को संगठन का नया संरक्षक नियुक्त किया गया। जिला अध्यक्ष त्रिलोकचंद गेदर ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए फकीरचंद सोखल लूणकरणसर, गौरीशंकर गेदर ढाणी, शिवरतन लखेसर बांग्लानगर, शिवलाल भोभरिया सरपंच हुसंगसर, भगवानाराम चांदोरा सरपंच कानासर, करणाराम गेदर पूर्व सरपंच प्रतिनिधि खारी चारणान, नानूराम कुचेरिया पार्षद श्रीडूंगरगढ़, दिलीप मंडावरा उदयरामसर, किशन जलांधरा उदयरामसर और गंगाराम मंडावरा गंगाशहर को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया। जिला मंत्री पद की जिम्मेदारी कन्हैयालाल माहर गजनेर और शिवकुमार छापरवाल गंगाशहर को सौंपी गई।सभी विधानसभा क्षेत्रों में भी

अध्यक्षों की नियुक्ति की गई जिनमें नोखा से डालूराम मंगलाव, कोलायत से खेतपाल लखेसर गोविंदसर, श्रीडूंगरगढ़ से बजरंग सरस्वा मोमासर, खाजूवाला से देवीलाल लिम्बा सरपंच गोलूवाली, बीकानेर पूर्व से महेश कुमार खटोड़ शिवबाड़ी, बीकानेर पश्चिम से कन्हैयालाल गेदर बंगलानगर और लूणकरणसर से गौरीशंकर गेदर मकड़ासर शामिल हैं। बैठक में संगठन को मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने और समाज सेवा के कार्यों को व्यापक रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

खेले इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025:

वेटलिफ्टिंग के दूसरे दिन खिलाड़ियों का जोरदार प्रदर्शन, अतिथियों की मौजूदगी से बढ़ा उत्साह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । खेले इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 के दूसरे दिन वेटलिफ्टिंग स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। विभिन्न भार वर्गों में हुए मुकाबलों ने प्रतियोगिता के स्तर को और ऊँचा कर दिया और दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। बुधवार को आयोजित आयोजन में माध्यमिक शिक्षा विभाग के खेल उप निदेशक राम सिंह मीणा और भाजपा देहात बीकानेर के जिला अध्यक्ष श्यामजी पंचारिया मौजूद रहे जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई और खिलाड़ियों का मनोबल ऊँचा किया। पर्यटन विभाग की ओर से महेश व्यास के समन्वय में हुई रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को आकर्षित किया और पूरे आयोजन में उत्साहपूर्ण माहौल बनाए रखा। आयोजन स्थल का समन्वय जयपुर के कबड्डी कोच शशि शर्मा ने किया और व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संभाला। खेल प्रबंधक जयपुर शमीम अहमद ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन को उच्च स्तर देना हमारा लक्ष्य है और बीकानेर की जनता को अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना चाहिए। 65 किलोग्राम पुरुष वर्ग प्रथम स्थान संजय काशीनाथ लोखंडे, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय महाराष्ट्र, 58

किलोग्राम महिला वर्ग, प्रथम स्थान रीमा भोई लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब, द्वितीय स्थान राज्यश्री बिस्वास आदामास यूनिवर्सिटी, तृतीय स्थान खुशी कुमारी पटलीपुत्र विश्वविद्यालय, चतुर्थ स्थान सुजाता राई सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय महाराष्ट्र, पंचम स्थान सगुन रव महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, षष्ठम स्थान सरिता सुनील सावंत शिवाजी विश्वविद्यालय, 71 किलोग्राम पुरुष वर्ग, प्रथम स्थान आरएस तरुण शर्मा, गुरु काशी विश्वविद्यालय, खिलाड़ियों के जोश और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल ने आयोजन को यादगार बना दिया और खेल प्रेमियों में उत्साह भर दिया।

ट्रैफिक पुलिस टोहाना की बड़ी पहल: स्कूल की छात्राओं को कराया ट्रैफिक, साइबर और नशा सुरक्षा में जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा। जिले में बच्चों और युवाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशानुसार ट्रैफिक पुलिस टोहाना ने आज पीएम श्री गर्ल्स गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में छात्राओं के लिए एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया।कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए यातायात टोहाना जोन प्रभारी उपनिरीक्षक धर्मचंद ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों और सुरक्षित यातायात व्यवहार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन ही सड़क पर सुरक्षित रहने की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। सत्र में पुलिस टीम ने साइबर अपराध और ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में भी छात्राओं को जागरूक किया। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग, अजनबियों से ऑनलाइन बातचीत में सतर्क रहने और संदिग्ध लिंक या कॉल से बचने जैसे महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए गए। इसके अलावा, टीम ने ड्रग्स और नशे के दुष्प्रभाव पर भी विस्तार से चर्चा की और छात्राओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं को समझाया गया कि नशा केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है, बल्कि यह उनके भविष्य और करियर पर भी गंभीर प्रभाव डाल सकता है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने कई सवाल पूछे, जिनका पुलिस टीम ने सरल और स्पष्ट भाषा में समाधान किया। टीम ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि युवाओं में सुरक्षा और सतर्कता की भावना मजबूत हो।

फतेहपुर में भीम आर्मी का संविधान संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन हुआ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहपुर।

फतेहपुर के अम्बेडकर नगर में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक संगठन भीम आर्मी भारत एकता मिशन जिला इकाई सीकर द्वारा संविधान संगोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्यातिथि भीम आर्मी जिलाध्यक्ष एडवोकेट जयस्वामी कल्याण ने कार्यक्रम में संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया।इसके साथ ही कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण नायक ने बताया कि संविधान केवल लाखो शब्दो व कागजो का दस्तावेज नही है ये भारतीयों की आत्मा है इसमें हमारे अधिकार और कर्तव्य सुनिश्चित होते है और बाबा साहब के संघर्षों को भी संविधान दिवस पर याद किया गया। कार्यक्रम में पार्षद छोटेलाल माहिचा,अब्दुल सलाम शेख, हाकम अली खान, नवनियुक्त तहसील अध्यक्ष दीपक जोया इंसा,लोकेश माहिचा, प्रकाश सोनेरा आदि वक्ताओं ने अपना वक्तव्य दिया।कार्यक्रम में भीम आर्मी जिला महासचिव अंकिता माहिचा,उपाध्यक्ष ताराचंद खारिया,बंटी वर्मा, रामगोपाल, भगवाना राम , जयप्रकाश सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित हुए।

चिड़ावा पंचायत समिति में रोहिताश धांगड़ ने संभाला प्रधान का कार्यभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चिड़ावा पंचायत समिति में रोहिताश धांगड़ ने आज प्रधान का कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार ग्रहण कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया, युवा नेता सुरेश भूकर, पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पार्षद अंकित भगेरिया, पंचायत समिति बीडीओ सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहें।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा का चिड़ावा में नागरिक अभिनंदन

शादी समारोह में आए पूर्व मंत्री, स्थानीय लोगों ने साफा पहनाकर किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व मंत्री और जसरापुर मूल के प्रतिष्ठित साहित्यकार पंडित झाबरमल शर्मा के पौत्र सत्यनारायण शर्मा का मंगलवार सायं काल चिड़ावा में स्थानीय लोगों द्वारा भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। पूर्व मंत्री शर्मा अपने चचेरे छोटे भाई राधेश्याम शर्मा (सुखाड़िया) के पुत्र गौरव शर्मा के शादी समारोह में भाग लेने के लिए चिड़ावा पधारे थे।स्थानीय लोगों ने सत्यनारायण शर्मा का हार्दिक स्वागत किया। इस दौरान, राधेश्याम शर्मा और शरद शर्मा ने उन्हें साफा और माला पहनाकर सम्मानित किया तथा क्षेत्र की ओर से उनका अभिनंदन किया। अभिनंदन समारोह के दौरान पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा ने स्थानीय लोगों

के साथ सामाजिक और राजनैतिक विषयों पर खुलकर चर्चा की। इस अवसर पर विधायक पिलानी पितराम सिंह काला, पालिका अध्यक्ष सुमित्रा सैनी, पूर्व चेयरमैन रामगोपाल मिश्र, महेश कटारिया, बाबूलाल, पूर्व प्रधान निहाल सिंह, एडवोकेट भीम सिंह सहित दर्जनों की संख्या में गणमान्य नागरिक और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने पूर्व मंत्री का स्वागत-सम्मान किया।

राजस्थान लॉ कॉलेज में 'विधि दिवस' समारोह: न्यायिक अधिकारियों ने संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई, मौलिक अधिकारों पर हुआ मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राजस्थान लॉ कॉलेज परिसर में बुधवार (दिनांक 26.11.2025) राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की स्थानीय शाखा, तालुका विधिक सेवा समिति, चिड़ावा के तत्वावधान में 'विधि दिवस' का आयोजन किया गया। यह दिवस भारत के संविधान को अपनाने की याद में मनाया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिला न्यायाधीश (एडीजे) नरेंद्र सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में एसीजेएम चिड़ावा मोहनलाल बेदी और राजस्थान शिक्षण संस्थान, चिड़ावा की चेयरपर्सन नीतिका थालौर उपस्थित रहीं। इस मौके पर तालुका विधिक सेवा समिति, चिड़ावा के सदस्यगण, जिनमें अधिवक्ता विजय गुरावा, अधिवक्ता अनिल मान, अधिवक्ता रोबिन शर्मा, तथा समिति की सचिव बंटी कुमारी शामिल थे, भी मौजूद रहे। संस्थान की चेयरपर्सन नीतिका थालौर ने गुलदस्ता भेंट कर न्यायिक अधिकारीगण का स्वागत किया,

जबकि विधि विद्यार्थियों ने तिलक लगाकर आगंतुक मेहमानों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष, अपर जिला न्यायाधीश नरेंद्र सिंह ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों, अधिवक्ताओं और प्रवक्ताओं को विधि दिवस की बधाई दी और उन्हें संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि एसीजेएम मोहनलाल बेदी ने अपने उद्बोधन में नागरिकों के मूलाधिकारों और मूल कर्तव्यों की महत्वता पर विस्तार से प्रकाश डाला। चेयरपर्सन नीतिका थालौर ने अपने वक्तव्य में डॉ. भीमराव अम्बेडकर को याद करते हुए भारत के संविधान को विश्व का सबसे सुंदर संविधान बताया और सभी नागरिकों को संविधान में उल्लेखित कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता के रूप में समिति के सदस्य अधिवक्ता विजय गुरावा ने संविधान के निर्माण से लेकर वर्तमान तक के सफर पर सभी का ध्यान आकर्षित किया। विधि विद्यार्थियों, प्रवक्ताओं और अधिवक्ताओं ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. दिनेश गौतम द्वारा किया गया, और समापन चेयरपर्सन नीतिका थालौर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

संविधान दिवस पर स्काउट-गाइड की गतिविधियों से कराया अवगत

भीम प्रज्ञा न्यूज

राजगढ़ । संविधान दिवस के अवसर पर हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स, राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय अलवर के निर्देशन में ब्लॉक राजगढ़ में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें स्काउट-गाइड की मासिक पत्रिका भेंट की तथा ब्लॉक स्तर पर संचालित कार्यक्रमों से अवगत कराया ट्रेनिंग काउंसलर विजय सिंह बैरवा, कविता सैनी, रेंजर लीडर निकिता जांगिड़ और कोमल बलाई ने ब्लॉक की मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लीलावती मीणा से भेंट की। टीम ने उन्हें मासिक पत्रिका सौंपते हुए बताया कि स्काउट-गाइड द्वारा विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सेवा भाव और व्यक्तित्व विकास हेतु विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। सीबीईओ मीणा ने शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास में स्काउट-गाइड की भागीदारी को सराहनीय बताया इसी क्रम में प्रतिनिधि मंडल ने ब्लॉक राजगढ़ की उपखंड अधिकारी सीमा मीणा से भी मुलाकात की और उन्हें स्काउट-गाइड की मासिक पत्रिका भेंट की प्रतिनिधियों ने उन्हें सामुदायिक सेवा, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, नेतृत्व विकास शिविर, स्वच्छता अभियान और अन्य चल रही गतिविधियों की जानकारी प्रदान की।उपखंड अधिकारी सीमा मीणा ने संगठन द्वारा किए जा रहे प्रयासों को समाजहित में महत्वपूर्ण बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की बात कही

अंबेडकर भवन में उत्साहपूर्वक मनाया गया संविधान दिवस, बाबा साहब के विचारों पर हुई विशेष चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

अंबेडकर भवन में मंगलवार को संविधान दिवस बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अम्बेडकर भवन में स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। दयानंद महारानियां ने बताया कि इस अवसर पर समाज के लोगों ने संविधान की महत्ता और बाबा साहब के योगदान को नमन किया। कार्यक्रम में कुलदीप भगत और रविशंकर कांगड़ा ने अपने व्याख्यान में बाबा साहब के संघर्षों, उनकी शिक्षाओं और देश को दिए महान योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं सुनील मेहरा ने उपस्थित सभी लोगों से संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक अनुवाचन करवाया और

प्रस्तावना के मूल तत्वों की विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की।उपस्थित सभी साथियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए और बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में समानता, शिक्षा और जागरूकता को बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पवन भूकल, बृजेश बुलानिया, मंगेश भगत, ओमप्रकाश निर्मल, विकास बुलानिया, रविशंकर कांगड़ा, ओमप्रकाश जड़िया, सुनील कांगड़ा, नरेंद्र चंदेलिया, सुरेश चंदेलिया, बजरंग कांगड़ा, रोहित चंदेलिया, सुशील सांवरिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चिड़ावा उप जिला अस्पताल में डेड बॉडी डीप फ्रीजर की सुविधा शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राजकीय उप जिला अस्पताल चिड़ावा में भामाशाह डॉक्टर दंपती द्वारा भेंट किए गए डेड बॉडी डीप फ्रीजर की सुविधा शुरू हो गई है। कथित रूप से उन्हें विवादों में घेरने के प्रयासों के बावजूद भी भामाशाहों ने अस्पताल प्रशासन पर अपना विश्वास कायम रखा और सेवा भाव से प्रेरित होकर इस महत्वपूर्ण उपकरण को आज विधिवत रूप से अस्पताल को सौंपा। दिवंगत मालाराम केहरपुरा कलां की 14वीं पुण्यतिथि पर यह डेड बॉडी डीप फ्रीजर न्यूरो सर्जन डॉ. जोगिंदर सिंह, डॉ. निर्मला मूंड और अमृत कौर द्वारा संयुक्त रूप से भेंट किया गया। परिवार को इस प्रेरणा की शुरुआत उनकी दादी महादेवी से मिली, जिनकी सीख सेवा और समाजहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की रही। पीएमओ डॉ. नीतेश जांगिड़ ने बताया कि अस्पताल में

शवों को सुरक्षित रखने की अब तक कोई उचित व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण दुर्घटनाओं, पोस्टमार्टम या कानूनी प्रक्रियाओं में देरी होने पर परिजनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। नई सुविधा से अब शवों को सम्मानपूर्वक और सुरक्षित रखा जा सकेगा और परिजनों को बाहर के अस्पतालों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। अस्पताल प्रशासन ने भामाशाहों के इस योगदान को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि कथित विवादों के बीच भी सेवा और समाजहित को प्राथमिकता देना वास्तव में प्रेरणादायक है। यह सुविधा अस्पताल को और मजबूत बनाएगी तथा मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत पहुंचाएगी।

ऑनलाइन शॉपिंग में ज़रा सी लापरवाही... और खाली हो सकता है आपका बैंक खाता!

आपकी सतर्कता ही आपकी सुरक्षा है' – एसपी सिद्धांत जैन की अपील

OLX-Quikr पर 'आर्मी पर्सन' बनकर ठगी कर रहे साइबर ठग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । ऑनलाइन खरीदारी आज के समय में आम बात बन चुकी है, चाहे शादी का सीजन हो या सामान्य दिन। मगर इसी सहजता का फायदा उठाकर साइबर ठग लोगों के बैंक खातों पर डाका डाल रहे हैं। जिले में ऑनलाइन फ्रॉड के बढ़ते मामलों को देखते हुए फतेहाबाद पुलिस ने नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के निर्देश पर जारी एडवाइजरी में लोगों को आगाह किया गया है कि वे किसी भी अनजान वेबसाइट, संदिग्ध लिंक या अत्यधिक आकर्षक ऑफर के झांसे में न आएं। पुलिस ने कहा है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ऐसे कई फर्जी विक्रेता सक्रिय हैं जो सामान बेचने के बहाने एडवांस पेमेंट की मांग कर ठगी कर रहे हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया, OLX और Quikr जैसे प्लेटफॉर्मों पर खुद को 'आर्मी पर्सन' या 'सरकारी कर्मचारी' बताकर ठगी करना साइबर अपराधियों का नया और

तेजी से बढ़ता तरीका बन गया है। लोग इन पहचान पर आसानी से भरोसा कर लेते हैं, जबकि धोखेबाज़ इसी भावनात्मक भरोसे का फायदा उठाते हैं। पुलिस ने ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए नागरिकों को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने सलाह दी है कि किसी भी वेबसाइट पर खरीदारी करने से पहले उसके URL की जांच अवश्य करें और केवल https// से शुरू होने वाले प्रमाणित पोर्टल का ही उपयोग करें। अत्यधिक सस्ते ऑफर अक्सर फ्रॉड का हिस्सा होते हैं, इसलिए उनसे सावधान रहने की जरूरत है। बैंकिंग जानकारी, डेबिट/क्रेडिट कार्ड डिटेल और OTP किसी के साथ साझा न करें। पुलिस ने चेताया है कि कई ठग नकली कस्टमर केयर बनकर 'रिफंड' या 'पेंडिंग चार्ज' के नाम पर UPI लिंक भेजते हैं और स्कैन करने को कहते हैं। नागरिकों को यह समझना चाहिए कि किसी भी वैध डिलीवरी या रिटर्न प्रक्रिया के लिए UPI स्कैन या पेमेंट लिंक की आवश्यकता नहीं होती। ऑनलाइन ठगी की स्थिति में पुलिस ने पीड़ितों को तत्काल कार्रवाई की सलाह दी है। ठगी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें या www.cyber-crime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। पीड़ित नजदीकी थाना या साइबर सेल से भी संपर्क कर सकते हैं। पुलिस का कहना है कि जितनी जल्दी शिकायत दर्ज होगी, राशि की रिकवरी की संभावना उतनी ही अधिक होगी। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऑनलाइन लेन-देन करते समय विशेष सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा, 'ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा तभी सुरक्षित है, जब आप जागरूक और सतर्क हों। आपकी सतर्कता ही आपकी सुरक्षा है। पुलिस ने जनहित में अपील करते हुए कहा है कि लोग इस एडवाइजरी को अपने परिवार, मित्रों, पड़ोसियों और सामाजिक समूहों में अधिक से अधिक साझा करें, ताकि कोई भी व्यक्ति साइबर ठगों का शिकार न बने।

ब्राह्मण बालिकाओं पर IAS की टिप्पणी के विरोध में विप्र फाउंडेशन का जिला कलेक्टर को ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मध्यप्रदेश कैडर के IAS संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण बालिकाओं पर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में विप्र फाउंडेशन जिला अध्यक्ष कमलकांत शर्मा की अगुवाई में विप्र फाउंडेशन पदाधिकारियों व बड़ी संख्या में विप्र समाज के लोगों ने जिला कलेक्टर अरुण गर्ग को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर के नाम प्रेषित किया गया।प्रतिनिधिमंडल ने संतोष वर्मा के निलंबन की मांग करते हुए

कहा कि ऐसी टिप्पणियाँ समाज की भावनाओं को आहत करने वाली हैं और इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

जयपुर मिलिट्री स्टेशन में स्पेशल ओलंपिक्स स्टेट गेम्स एथलेटिक्स-2025 का भव्य आगाज़, 300 से ज्यादा एथलीटों ने लिया हिस्सा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। जयपुर मिलिट्री स्टेशन के गांदीव स्टेडियम में बुधवार को स्पेशल ओलंपिक्स स्टेट गेम्स एथलेटिक्स-2025 का भव्य आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम सप्त शक्ति आर्मी विमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन (AWWA) और स्पेशल ओलंपिक्स भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत प्रदेशभर से आए स्पेशल एथलीटों के आकर्षक मार्च-पास्ट से हुई। इसके बाद बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, बैंड डिस्प्ले और टॉर्च रिले के जरिए दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि स्पेशल ओलंपिक्स विशेष बच्चों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि आज हुए स्ह से स्पेशल ओलंपिक्स से जुड़े बच्चों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने अभिभावकों और समाज से अपील की कि विशेष बच्चों को अधिक से अधिक मौके दें, क्योंकि ये खेल, नौकरी और अन्य क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। राजस्थान से 300 से ज्यादा बच्चे इस स्टेट गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। यहां से चयनित एथलीट नेशनल ओलंपिक्स में भाग लेंगे और उसके बाद चिली में होने वाले इंटरनेशनल ओलंपिक्स में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर पाएंगे। साथ ही, उन्होंने कहा कि स्ह से प्रतिभाशाली बच्चों को नई दिशा और पहचान मिलेगी। सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह ने दिया कुमारी और डॉ. नड्डा का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और इन्हें निरंतर आयोजित किया जाना चाहिए। इस अवसर पर स्पेशल ओलंपिक की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती मल्लिका नड्डा जी, जीओसी-इन-चीफ साउथ वेस्टर्न कमांड लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह जी, ह्झ्झ की क्षेत्रीय अध्यक्षा श्रीमती बरिंदर जीत कौर जी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती हरप्रीत कौर जी, स्पेशल ओलंपिक राजस्थान की अध्यक्षा श्रीमती विनीता जी, चीफ ऑफ स्टाफ साउथ वेस्ट कमांड लेफ्टिनेंट जनरल एच.एस. वंद्रा जी, स्पेशल ओलंपिक राजस्थान के महासचिव श्री डी.के. सिंह जी, सेना के अधिकारीगण तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भूकर की पहल से पिलानी रोड के दुकानदारों को मिली बड़ी राहत

टूटी सड़कों पर हुआ पैचवर्क, धूल के गुबार से मुक्ति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

पिलानी रोड से शहर की ओर आने वाले मुख्य मार्ग पर टूटी सड़कों और उड़ते धूल के गुबार से जूझ रहे स्थानीय लोगों और दुकानदारों को अब बड़ी राहत मिली है। सड़क की बदहाली से लोग लंबे समय से परेशान थे, जिसके बाद भाजपा नेता सुरेश भूकर ने स्वयं पहल करते हुए मार्ग पर पैचवर्क का कार्य शुरू करवाया। भूकर की इस पहल से पिलानी चौराहे से मंड्रेला मोड तक का रास्ता काफी हद तक दुरुस्त हो गया है, जिससे राहगीरों का आवागमन सुरक्षित और सुविधाजनक बन गया है। युवा उद्यमी दिनेश दाधीच सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता काम की शुरुआत के दौरान मौजूद रहे। स्थानीय दुकानदारों - योगेश धतरवाल, डॉ. राहुल जांगिड़, विकास कुल्हरी और जयप्रकाश खरडिया ने भूकर की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि से यही अपेक्षा होती है कि वह जनता की मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दे। उन्होंने मौजूदा नगर पालिका प्रशासन पर विकास कार्यों में शिथिलता का आरोप लगाते हुए कहा कि सुरेश भूकर अपने खर्चे पर शहर में कई जरूरी काम करवाकर नगर पालिका को आईना दिखा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे जागरूक नेता के आने से शहर के विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सरदार@150 के तहत यमुना प्रवाह यात्रा को दिखाई हरी झंडी

सरदार पटेल से प्रेरणा लेकर युवा 'राष्ट्र प्रथम' को रखें सर्वोपरि

लौह पुरूष ने दूरदर्शी सोच और साहसिक निर्णयों से देश को किया एकजुट

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपनी दूरदर्शी सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और साहसिक निर्णयों से भारत को एकजुट कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि युवा सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर 'राष्ट्र प्रथम' को सर्वोपरि रखें तथा एक मजबूत, एकजुट तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। श्री शर्मा ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने विश्व का सबसे बड़ा संविधान हमें दिया है तथा उसी आधार पर देश आगे बढ़ रहा है।

सीएम शर्मा ने बुधवार को अमर जवान ज्योति से सरदार@150 यूनिटी मार्च के अंतर्गत यमुना प्रवाह यात्रा के तहत आयोजित समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पूरे देशभर में सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। इसी के तहत यमुना प्रवाह यात्रा भी संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के तहत राजस्थान सहित विभिन्न प्रदेशों से युवा जयपुर से सरदार पटेल की जन्मभूमि कमरसद तक की यात्रा करेंगे। यह यात्रा युवाओं के लिए सरदार पटेल के जीवन, संघर्ष और देशभक्ति को करीब से जानने का अवसर है। साथ ही, युवाओं को सरदार पटेल के आदर्शों और मूल्यों को समझने का प्रत्यक्ष अनुभव भी मिलेगा। सरदार पटेल ने कभी नहीं किया सिद्धांतों से समझौता

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल का स्वतंत्रता आंदोलन में अमूल्य योगदान रहा। बारडोली सत्याग्रह में उनकी प्रभावशाली भूमिका के कारण उन्हें सरदार की उपाधि दी गई। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और किसानों को अपने अधिकारों के लिए लड़ना सिखाया और सरदार पटेल जेल भी गए। लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया।

केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाएं - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर भरतपुर एवं उदयपुर संभाग के भाजपा जिला अध्यक्षों एवं मंडल अध्यक्षों सहित कार्यकर्ताओं के साथ संगठन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, राज्यसभा सांसद श्री घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्री अशोक परनामी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री राजेन्द्र राठौड़ उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा में मेहनती और निष्ठावान कार्यकर्ता संगठन से लेकर व समाज देश की सेवा में तत्पर रहता है, जिससे वह सदैव आगे बढ़ता है तथा सम्मान भी प्राप्त करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी परिवार की तरह है तथा प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए पार्टी का कार्य सर्वोपरि है, इसलिए दिए गए दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाएं तथा मंडल स्तर की नियमित बैठकें भी करें और मजबूती के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि मेहनती कार्यकर्ता और पदाधिकारी राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और 2 वर्षों की उपलब्धियों को सोशल मीडिया एवं अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से आमजन तक पहुंचाएं। पार्टी की रीति और नीति को भी हर वर्ग तक पहुंचाने का कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष जनसेवा के साथ-साथ समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कार्य करें। संगठन में युवाओं को केंद्र व राज्य के कार्यक्रमों से जोड़े और उन्हें जिम्मेदारी भी दें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने भेद-भाव और तुष्टीकरण के आधार पर वार्डों और पंचायतों को जोड़ा और तोड़ा था, लेकिन हमारी सरकार ने तथ्यों और आवश्यकता को देखते हुए पुनर्गठन के कार्य को पूरा किया है इसलिए सभी कार्यकर्ता आने वाले निकाय और पंचायतीराज चुनाव की तैयारी करें।

दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीती

- दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हराया, - यानसन बने प्लेयर ऑफ द मैच, - हार्मर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 408 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से जीत ली है। इसी के साथ ही मेहमान टीम 25 साल बाद भारत में कोई टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रही है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम बार साल 1999 में हैंसी क्रोनये की कप्तानी में भारत में 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती थी। वहीं ये भारतीय टीम की एक साल में दूसरी सीरीज हार है। इससे पहले नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को घरेलू सीरीज में 3-0 से हराया था। माकर यानसन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच तथा सीरीज में कुल 17 विकेट लेने वाले साइमन हार्मर को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला

दूसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दक्षिण अफ्रीकी टीम के सामने नहीं टिक पाये। भारतीय टीम पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के 489 रनों के जवाब में केवल 201 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। इसके बाद भारतीय टीम 549 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 2 विकेट पर 27 रनों से आगे खेलते हुए अंतिम दिन 140 रनों पर ही सिमट गयी। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही ही सबसे अधिक 54 रन बना पाये। भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर साइमन हार्मर का सामना नहीं कर पाये। हार्मर ने इस मैच में छह विकेट लिए। अंतिम दिन भारत का छठा विकेट साई सुदर्शन के रूप में गिरा। उन्होंने 14 रन बनाये। वॉशिंगटन सुदंर 44 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुये। 62वां ओवर कर रहे केशव महाराज की पहली गेंद पर छक्का लगाकर जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अगले ही ओवर में हार्मर, नीतीश कुमार रेड्डी शुन्य पर ही आउट हो गये। इसी के साथ छठी सफलता हार्मर के नाम रहीं। 64वें ओवर की पहली गेंद पर केशव महाराज ने रवींद्र जडेजा को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। जडेजा ने 87 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 54 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर महाराज ने को आउटकर 140 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। वहीं गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही ये भारतीय टीम की दूसरी सीरीज हार है। इससे पहले 2024 नवंबर में न्यूजीलैंड ने 3-0 से भारतीय टीम को हराया था।

टीम अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रही है : सूर्यकुमार यादव

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को कहा कि वह अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप खिताब का बचाव करने के लिए राष्ट्रीय टीम की अगुवाई को लेकर उत्साहित हैं। खास कार्यक्रम के दौरान सूर्यकुमार ने कहा, 'मेरा मतलब है, उस टी-20 विश्वकप में जाना एक बड़ी चुनौती है। मैं इस बार टीम का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह बहुत रोमांचक होने वाला है।'

उन्होंने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी-20 विश्वकप 2024 में भारत की जीत को याद करते हुए कहा, 'मुझे उस ट्रॉफी को देखकर बहुत मोटिवेशन मिलता है। जब हम वेस्ट इंडीज (2024 इवेंट के को-होस्ट) पहुंचे और हर बार जब हमारा राष्ट्र गान बजाया जाता था तो हमारी नजर इस सिल्वरवेयर पर होती थी। हर बार।'

क्रिकेटर ने आगे कहा, 'हमने सोचा है कि जैसे ही हम फाइनल आये, हमें यह ट्रॉफी जीतनी है। और इसे फिर से करीब से देखने के बाद इससे मुझे बहुत मोटिवेशन मिलता है। वह भी भारत में खेलते हुए मुझे लगता है कि यह बहुत रोमांचक होने वाला है। उन्होंने कहा कि लड़के बहुत उत्साहित हैं। हर कोई टी-20 विश्व कप में जाने वाली इस टीम का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्सुक है। मैंने बहुत सारे अनुभव शेयर किए हैं। मैं 2023 में एक शानदार टीम का हिस्सा था, जब हमने भारत में एकदिवसीय विश्व कप खेला था। माहौल बिल्कुल अलग था।'

उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे कहा है कि यह बिल्कुल अलग गेम है। हां, फैंस वैसे ही होंगे (टर्नआउट में), जैसा आप फ्रेंचाइजी क्रिकेट में देखते हैं, लेकिन जब भारत आता है, जब आप देश के लिए खेलते हैं, तो इसका इमोशन बिल्कुल अलग होता है। इसलिए वे बहुत उत्साहित हैं। हम एक अलग तरह का क्रिकेट खेलने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है, हम वर्ल्ड कप में भी यही करते रहेंगे।' भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी 2026 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ करेगा।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे रोहित, मिचेल दूसरे नंबर पर खिसके

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। आईसीसी ने बुधवार को पुरुष खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें रोहित न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को पीछे छोड़कर नंबर-1 स्थान पर आ गये हैं। रोहित के अभी 781 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अंतिम एकदिवसीय मैच खेला था। वह अब इस माह के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे। वहीं मिचेल 766 अंक के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। मिचेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 16 नवंबर को पहले एकदिवसीय में शतक लगाने के बाद नंबर एक स्थान हासिल किया था। वह चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए जिससे रैंकिंग में नीचे गिर हैं। वहीं न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र एक स्थान के लाभ के साथ ही 12वें पर आ गए हैं जबकि डेवोन कॉनवे 11 स्थान ऊपर 31वें पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई दूसरे एकदिवसीय में शतक से आठवें नंबर पर आ गए। । कीवी टीम ने वेस्टइंडीज को तीन मैच की सीरीज में हराया। न्यूजीलैंड के गेंदबाज मिचेल सेंटनर छठे और मैट हेनरी अपने शानदार प्रदर्शन के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में संयुक्त 10वें नंबर पर आ गए। वहीं, जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा टी20 ऑलराउंडरों में नंबर-1बन गए हैं। उन्होंने अपने करियर में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। उनके 289 रेटिंग अंक हैं। रजा ने पाकिस्तान में ट्राई सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था जिसका लाभ उन्हें मिला है। रजा के बाद पाकिस्तान के सईम अयूब (269 अंक) हैं। टेस्ट रैंकिंग में भी बदलाव हुए हैं। पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट जीत के बाद ट्रैविस हेड चार स्थान की छलांग लगाकर छठे नंबर पर आ गए हैं। वहीं इंग्लैंड के ओली पोप चार पायदान के लाभ के साथ ही 24वें पर पहुंच गये हैं। बांग्लादेश के खिलाड़ियों को भी भी आयरलैंड पर जीत के बाद लाभ मिला है।

दक्षिण अफ्रीका से हार का भारी झटका: डब्ल्यूटीसी तालिका में भारत फिसला, पाकिस्तान से भी पिछड़ा

गुवाहाटी (एजेंसी)। बुधवार को घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक श्रृंखला हारने के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है। 2000 के बाद यह दूसरी बार है जब उन्होंने देश में टेस्ट श्रृंखला जीती है। इस बीच, आईसीसी के अनुसार, 408 रनों से हार भारत की टेस्ट क्रिकेट में रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार है। इस जीत ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका की स्थिति को और मजबूत कर दिया है। गत चैंपियन अपने चार टेस्ट मैचों में 36 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। उनका अंक प्रतिशत (पीसीटी) 66.67 से बढ़कर 75 हो गया है। उन्होंने तीन टेस्ट जीते हैं और सिर्फ एक हारा है।

दूसरी ओर, भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज पाकिस्तान से नीचे खिसक गया है, और अब वह पांचवें स्थान पर है, जिसका पीसीटी 48.15 पर आ गया है, जिसमें चार हारे, चार जीते और एक ड्रॉ रहा है। पहले दिन 247/6 के स्कोर के साथ धीमी शुरुआत के बाद, ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी (109) के पहले टेस्ट शतक और मार्को जेनसन (91 गेंदों में 93 रन, छह चौकों और सात छक्कों की मदद से) की जोरदार पारी ने निचले क्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया और प्रोटियाज को पहली पारी में 489 तक पहुंचाया। कुलदीप यादव (4/115) भारत के शीर्ष गेंदबाज रहे।

जेनसन ने गेंद से अपना जादू जारी रखा और 6/48 के आंकड़े हासिल किए, जिससे मेजबान टीम केवल 201 रन पर ढेर हो गई। यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन, छह चौकों और एक छक्के की मदद से) और वाशिंगटन सुंदर (92 गेंदों में 48 रन, दो चौकों और एक छक्के की मदद से) के अर्धशतकों ने उल्लेखनीय प्रतिरोध पेश किया। भारत ने 65 रनों की साझेदारी के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन सुंदर और कुलदीप (134 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 19 रन) के बीच 72 रनों की साझेदारी के साथ 122/7 पर फिसल गया, जिससे भारत 200 रनों के आंकड़े तक पहुंच गया।

दक्षिण अफ्रीका ने फॉलो-ऑन न देने का फैसला किया, बल्कि अपनी बढ़त को 500 के पार पहुँचाया। ट्रिस्टन स्टब्स (180 गेंदों में 94 रन, नौ चौकों और एक छक्के की मदद से) ने पारी घोषित होने से पहले अपनी तीसरी पारी में 260/5 का स्कोर बनाया। एक बार फिर स्पिनरों ने कमाल दिखाया, जिसमें जडेजा ने चौका लगाया। लेकिन भारत के सामने 549 रनों का विशाल लक्ष्य था। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के प्लेयर ऑफ द मैच साइमन हार्मर दूसरी पारी में भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे। पहली पारी में 64 रन देकर 3 विकेट लेने के बाद, हार्मर (37 रन देकर 6 विकेट) ने आखिरी दिन की सुबह भारतीय बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया।

टी20 विश्वकप सात फरवरी से, पहले ही दिन होंगे तीन मुकाबले : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने जा रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2026 क्रिकेट मुकाबले 7 फरवरी ये शुरु होंगे। इस टूर्नामेंट के पहले ही दिन तीन मैच खेले जाएंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान सहित 6 टीमें उतरेंगी। ये टी20 विश्व कप इतिहास में पहली बार होगा, जब टूर्नामेंट के पहले दिन ही तीन सारे मैच होंगे। इसमें से दो मुकाबले भारत जबकि एक मैच श्रीलंका में खेला जाएगा। आईसीसी के अनुसार अभी तक ये फैसला नहीं हुआ है कि किस मैच से पहले उद्घाटन समारोह होगा। पहला मैच ग्रुप ए में कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच होगा। वहीं दूसरा मुकाबला ग्रुप सी की टीमों वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच दोपहर 3 बजे से कोलकाता के ईडन गार्डेस स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं दिन का अंतिम मुकाबला शाम को सात बजे से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और अमेरिका के बीच होगा। ये दोनों टीमें ग्रुप ए में शामिल हैं। इस प्रकार से एक ही दिन में तीन मुकाबलों में 6 टीमें होंगी। ग्रुप स्तर के मैचों के हर दिन का कार्यक्रम ऐसा ही है। 7 फरवरी से 19 फरवरी तक हर दिन 3-3 मैच खेले जाएंगे। इस प्रकार लीग स्तर के बाद सेमीफाइनल के लिए आठ टीमें ही बचेंगी।

ब्रिसबेन में तीन विकेट लेते ही अकरम का रिकार्ड तोड़ देंगे स्टार्क

ब्रिसबेन । यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चार दिसंबर से ब्रिसबेन में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। स्टार्क ब्रिसबेन टेस्ट की दोनों पारियों में अगर 3 विकेट ले लेते हैं, तो अकरम को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बन जाएंगे। स्टार्क ने साल 2011 से 2025 के बीच 101 टेस्ट की 194 पारियों में 412 विकेट लिए हैं। वहीं अकरम ने 1985 से 2002 के बीच 104 टेस्ट की 181 पारियों में 414 विकेट लिए थे। अकरम लंबे समय से टेस्ट प्रारुप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं पर ब्रिसबेन में 3 विकेट लेने ही स्टार्क उनसे आगे निकल जाएंगे। ऐस में स्टार्क के कुल विकेटों की संख्या 415 हो जाएगी और वे अकरम से आगे हो जाएंगे। स्टार्क इसके अलावा टेस्ट विकेटों के मामले में भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को भी पीछे छोड़ सकते हैं। हरभजन ने 1998 से 2015 के बीच 103 टेस्ट की 190 पारियों में 417 विकेट लिए हैं। वहीं स्टार्क अगर 6 विकेट ले लेते हैं तो वह हरभजन को पीछे छोड़ सकते हैं। स्टार्क ने एशेज सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे। स्टार्क ने पहली पारी में 58 रन देकर 7 और दूसरी पारी में 55 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी, अहमदाबाद को चुना गया होस्ट शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 20 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ डोनाल्ड रुकारे ने कहा, 'यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति, अपार खेल-जुनून और प्रासंगिकता लेकर आता है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के अगले शतक की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं।'

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने 100 साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह संस्करण विशेष रहने वाला है। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का 'तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता' के आधार पर मूल्यांकन किया था। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'यह राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के भविष्य के लिए एक निर्णायक क्षण होगा तथा इसके 100 साल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा।' भारत ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर लगभग 70,000 करोड़ रुपए खर्च किए थे, जो शुरुआती अनुमान 1600 करोड़ रुपए से कहीं अधिक था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं जिनमें से ज़्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं। राष्ट्रमंडल खेल के अंतरिम अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा था कि कार्यकारी बोर्ड को भारत और नाइजीरिया दोनों के प्रस्ताव 'प्रेरक' लगे, लेकिन आखिर में 2030 में होने वाले खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद को चुना गया।

अहमदाबाद ने हाल के महीनों में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की। यह शहर अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप की मेजबानी करेगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में आयोजित किए जाएंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल खेल परिसर उन प्रमुख स्थलों में से एक है, जिसको इन खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता वाला नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम भी शामिल है। इसके अलावा इस परिसर में एक जलक्रीड़ा केंद्र और एक फुटबॉल स्टेडियम के साथ-साथ इनडोर खेलों के लिए दो मैदान भी होंगे। इस परिसर के अंदर 3,000 लोगों के रहने की क्षमता वाला खेल गांव भी बनाया जाएगा।

ग्लास्गो में 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का बजट बहुत कम कर दिया गया है। यह शहर पूरे आयोजन को आठ मील (लगभग 12 किमी) के दायरे में आयोजित करना चाहता है। उसने इन खेलों का बजट 114 मिलियन पाउंड (लगभग 1300 करोड़ रुपए) रखा है। इस कारण कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे कुछ प्रमुख खेलों को बाहर कर दिया गया। भारत इसका कड़ा विरोध कर रहा था क्योंकि इससे उसकी पदक जीतने की क्षमता पर गहरा असर पड़ा। भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने हालांकि स्पष्ट कर दिया था कि 2030 के खेलों में उन सभी खेलों को शामिल किया जाएगा जिन्हें ग्लासगो खेलों से हटा दिया गया है। IOA के संयुक्त सचिव कल्याण चौबे ने कहा था, 'योजना यह है कि निशानेबाजी, तीरंदाजी, कुश्ती आदि जैसे सभी खेलों को इसमें शामिल किया जाए। हमारे पारंपरिक खेल जैसे कबड्डी और खो-खो को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।'

जोकोविच ने हासिल किया बड़ा मुकाम, शीर्ष चार में एक साल पूरा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

लंदन । सर्बिया के पेशेवर टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच एटीपी रैंकिंग के इतिहास में शीर्ष चार में एक साल पूरा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। 38 साल और पांच महीने की उम्र में सर्बिया महान खिलाड़ी जोकोविच ने एटीपी रैंकिंग में शीर्ष चार में 2025 सीजन का समापन किया। इसी के साथ उन्होंने एटीपी रैंकिंग के इतिहास में सबसे अधिक टॉप चार फिनिश के लिए रोजर फेडरर और राफेल नडाल को पीछे छोड़ दिया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पूर्व नंबर वन जाकोविच ने वर्ष 2025 का समापन नंबर चार पर किया। जोकोविच ऐसा करने वाले 14 खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने अब यह दूसरी सबसे ज़्यादा बार किया है, कॉनर्स और नडाल को पीछे छोड़ दिया है और केवल फेडरर से पीछे हैं। एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (एटीपी) की 17 नवंबर को जारी रैंकिंग में जोकोविच चौथे स्थान पर थे।

दूसरे टेस्ट में लियोन की जगह वेबस्टर को शामिल करें : मूडी

ब्रिस्बेन । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ यहां 4 दिसंबर से होने वाले यहां दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच में अनुभवी ऑफ-स्पिनर नाथन लियोन को अंतिम ग्यारह में नहीं रखा जाना चाहिये। मूडी के अनुसार गाबा की तेज और उछाल भरी पिच पर तेज गेंदबाज अधिक प्रभावी होंगे। साथ ही कहा कि इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए दिन-रात के इस मैच में टीम संयोजन बदला जाना जरुरी है। इसलिए लियोन की जगह ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को मौका मिलना चाहिए। वेबस्टर बल्लेबाजी गहराई बढ़ा सकते हैं और मध्यम गति के तेज गेंदबाजी विकल्प भी टीम को दे सकते हैं। मूडी ने कहा कि ब्रिस्बेन की पिच स्वभाविक रूप से तेज गेंदबाजों का साथ देती है। दिन-रात टेस्ट में गुलाबी गेंद से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिलती है। पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान लियोन प्रभावी नहीं रहे थे। वहीं तेज गेंदबाजों ने मैच पलट दिया था। मूडी ने कहा, "मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट में विशेषज्ञ स्पिनर को बाहर रखने की जरूरत पड़ेगी, पर दिन-रात के क्रिकेट में स्पिनर को खेल में शामिल करना ठीक नहीं रहता है।" उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड की तेज बल्लेबाजी रणनीति स्पिनर को लंबे स्पेल करने का अवसर नहीं देती है। ऐसे में तेज गेंदाबाज ऑलराउंडर ही बेहतर संतुलन दे पाते हैं।

0-2 से हार के बाद गंभीर का बड़ा बयान: मेरा फ्यूचर बीसीसीआई के हवाले, पर प्राथमिकता सिर्फ भारतीय क्रिकेट

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 2-0 की हार के बाद, भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उनकी प्राथमिकता भारतीय क्रिकेट है, न कि व्यक्तिगत पहचान। उन्होंने मुख्य कोच के रूप में टीम के साथ अपनी पिछली सफलताओं पर प्रकाश डाला, जिसमें इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज़ ड्रॉ, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे और अंतिम टेस्ट में भारत पर 408 रनों की शानदार जीत हासिल की। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा वाइटवॉश है। पिछले साल न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 0-3 और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 से हार गंभीर के नेतृत्व में दो साल में भारत की घरेलू टेस्ट सीरीज़ में दो हार है।

गौतम गंभीर ने पत्रकारों से कहा कि ईमानदारी से कहूँ तो खेल में कोई कमी नहीं होती। हमने जो भी फ़ैसला लिया है, टीम के सर्वोत्तम हित में लिया है और हमें पूरा विश्वास है कि ये सही फ़ैसले थे जो देश और टीम के लिए काम कर सकते थे। और दूसरा सवाल, इसका फ़ैसला बीसीसीआई को करना है। मैंने मुख्य कोच का पदभार संभालने के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि भारतीय क्रिकेट महत्वपूर्ण है, मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ। और मैं यहाँ बैठकर बिल्कुल यही बात कह रहा हूँ। और हाँ, लोग इसे भूल सकते हैं। मैं वही व्यक्ति हूँ जिसने इंग्लैंड में भी एक युवा टीम के साथ अच्छे नतीजे हासिल किए थे और मुझे यकीन है कि आप लोग बहुत जल्द भूल जाएँगे क्योंकि बहुत से लोग न्यूज़ीलैंड के बारे में बात करते रहते हैं। और मैं वही व्यक्ति हूँ जिसकी कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप भी जीता था।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज़ में भारतीय कप्तान ऋषभ पंत के प्रदर्शन पर बात करते हुए, गंभीर ने कहा कि उन्हें टीम के सभी खिलाड़ियों से, यहाँ तक कि खुद से भी, उच्च मानकों की उम्मीद है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि टेस्ट मैच जीतने के लिए सिर्फ़ व्यक्तिगत प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि सामूहिक सुधार भी ज़रूरी है। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में, जो गर्दन की चोट के कारण आराम कर रहे हैं, पंत ने दूसरे टेस्ट में टीम की कमान संभाली। पंत के लिए यह सीरीज़ निराशाजनक रही, उन्होंने दो मैचों में 12.25 की औसत और 80.32 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ़ 49 रन बनाए।

गंभीर ने आगे कहा कि देखिए, मैं हर किसी से बेहतर की उम्मीद करता हूं। मैं खुद से और उस कमरे में मौजूद हर किसी से बेहतर की उम्मीद करता हूं। मैं यहां बैठकर यह नहीं कहूंगा कि मैं किसी एक व्यक्ति से बेहतर की उम्मीद करता हूं। मुद्दा यह है कि अगर आपको अच्छी टीमों के खिलाफ टेस्ट मैच जीतना है, तो आपको हर किसी से बेहतर की उम्मीद करनी होगी। और इसी तरह आप टेस्ट मैच जीतते हैं। आप किसी एक व्यक्ति के शॉट को दोष नहीं देते। आप किसी एक व्यक्ति को एक खास तरीके

से खेलने के लिए दोष नहीं देते। आप सभी को दोष देते हैं। इसलिए, मैंने ऐसा कभी नहीं किया। मैं ऐसा नहीं करने वाला।

अमेरिकी बिजनेसमैन संग सात फेरे लेंगी पवित्रा पुनिया

टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 14 फेम पवित्रा पुनिया की शादी की तारीख पक्की हो गई है! जी हां, बीते दिनों मुंबई के एक बिजनेसमैन से अपनी सगाई की घोषणा के बाद पवित्रा की अब सात फेरों को लेकर चर्चा हो रही है। हालांकि, एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर की पहचान अब तक छिपा रखी है, लेकिन ताजा रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह कपल 2027 में शादी करने की प्लानिंग कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पवित्रा पुनिया मार्च 2027 में शादी करने की प्लानिंग कर रही हैं। यह एक बेहद प्राइवेट सेरेमनी होगी, जिसमें दोनों तरफ के परिवार और करीबी लोग ही शामिल होंगे। पवित्रा पुनिया ने एक महीने पहले इंस्टाग्राम पर अपनी सगाई की बात कंफर्म करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इसमें उनके मंगेतर घुटनों पर बैठकर अंगूठी पहनाते दिख रहे है। पवित्रा ने तब तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, लॉक इन। प्यार ने इसे ऑफिशियल कर दिया। पवित्रा पुनिया जल्द ही मिसेज बनने वाली हैं। इस पर विवियन डीसेना से लेकर देवोलीना भट्टाचार्जी और अर्चना गौतम से दिव्या अग्रवाल तक ने प्यार बरसाया था।

पवित्रा ने इससे पहले बातचीत में कहा था, हां, मुझे फिर से प्यार मिल गया है और इस साल, दिवाली मेरे लिए और भी खास है, क्योंकि मैं इसे उनके परिवार के साथ मनाऊंगी। अपने ससुराल वालों के बारे में बात करते हुए 39 साल की पवित्रा ने कहा, मैं विदेश जाऊंगी, क्योंकि वह और उनका परिवार वहां हैं। मुझे थोड़ा दुख है कि मैं अपने परिवार के साथ दिवाली नहीं मना पाऊंगी, लेकिन उनके साथ समय बिताने के लिए एक्साइटेड भी हूं। लव यू जिंदगी और बालवीर रिटर्न्स फेम एक्ट्रेस ने अपने पार्टनर का नाम भले ही नहीं बताया, लेकिन यह जरूर कहा है कि वह एक्टर नहीं हैं। पवित्रा पुनिया ने बताया, वह अमेरिका के एक बिजनेसमैन हैं, एक्टर बिल्कुल नहीं है। एक बहुत अच्छा इंसान और दयालु है। हम काफी समय से एक-दूसरे के साथ अच्छे से रह रहे हैं और यह सही लग रहा है।

ओटीटी के आने के बाद अब लड़कियों को वैंप या सती सावित्री नहीं दिखाया जाता

अपनी पहली ही फिल्म मकड़ी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली अदाकारा श्वेता बसु प्रसाद इन दिनों ओटीटी पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। इस साल दो वेब सीरीज ऊप्स अब क्या और क्रिमिनल जस्टिस 4 में अपनी अदाकारी के लिए सराही गईं श्वेता अब महारानी 4 में सीएम रोशनी भारती की भूमिका के लिए वाहवाही बटोर रही हैं।

आप स्क्रीन पर ज्यादातर मजबूत महिला किरदारों में ही दिखती हैं, क्या आपको ऐसे ही किरदार ऑफर होते हैं या आप खुद ऐसे ही रोल ही चुनती हैं?

मेरी ऐसी कोई सोची समझी चॉइस तो नहीं होती। मेरी कोशिश ये होती है कि अलग-अलग तरह के किरदार निभाऊं, क्योंकि कलाकार के तौर पर मेरा काम ये है कि मैं समाज के हर पहलू को दिखा सकूं ताकि देखने वाले को लगे कि ये मेरी बहन, गर्लफ्रेंड, कजिन या बेटी जैसी है। मेरी कोशिश ये होती है कि ऐसे किरदार करूं जिसे देखकर लोग उससे रिलेट करें कि हां, इसे पहले देखा है, मगर ये है कि हमारी फिल्मों और शोज का लेखन ही अब अलग हो चुका है। खासकर ओटीटी के आने के बाद शोज और फिल्मों में लड़कियों के लिए काफी मजबूत लेयर्ड किरदार लिखे जा रहे हैं।

स्टीरियोटिपिकल रोल नहीं लिखे जाते कि लड़की या तो सती-सावित्री है या वैंप

ये एक बेहतर बदलाव लेखन में हुआ है कि अब वो स्टीरियोटिपिकल रोल नहीं लिखे जाते कि लड़की या तो सति-सावित्री है या वैंप। जैसे, इंडिया लॉकडाउन में मैंने एक ऐसी प्रॉस्टिट्यूट का रोल किया था जो अपने काम को लेकर बहुत अनअपॉलिजेटिक थी। वह कोई बेचारी नहीं है कि मैं इसमें फंस गई। वह बहुत मजबूत और मुंहफट है। ऐसे ही, त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर में भी मैं साड़ी पहनकर बंदूक चला रही हूं तो मुझे मजा भी आता है ऐसे किरदार में, मगर मैं हर तरह के किरदार करना चाहूंगी।

महारानी 4 में आप ताकतवर भूमिका निभा रही हैं। असल जिंदगी में अगर ऐसी ताकत मिले तो देश या समाज में क्या बदलाव करना चाहेंगी?

हमारे देश और समाज में यूं तो शिक्षा, भोजन, सुरक्षा जैसी कई बेसिक चीजें बेहतर करने की जरूरत है, जिस पर बहुत से लोग बात कर रहे हैं, लेकिन अगर मुझे देश या समाज में कोई बदलाव लाना हो तो मैं कहूंगी कि आप आर्ट, साइंस, फिलॉसफी और म्यूजिक सबको सिखाएं। मैं चाहूंगी कि समाज में थोड़ा आर्टिस्टिक हों। मुझे लगता है कि इसे एजुकेशन सिस्टम में अनिवार्य कर देना चाहिए क्योंकि आर्ट फॉर्म हमारे समय को डॉक्यूमेंट करते हैं। चाहे वो मुगल मिनिएचर आर्ट हो, टेंपल आर्ट हो या केव पेंटिंग हो या फैशन ही हो। जैसे, ब्लूज या जैज म्यूजिक अमेरिका में क्रांति के रूप में शुरू हुई थी।

क्या इंडस्ट्री में लड़की होने की वजह से आपको कमतरी का अहसास हुआ है? आप इसे कैसे हैंडल करती हैं?

हर किसी का अपना तरीका होता है कि आप ऐसी परिस्थिति में कैसे रिएक्ट करते हैं, क्योंकि ये चीजें तो आपके घर, स्कूल, ऑफिस, इंडस्ट्री या राजनीति हर जगह वैसी ही होती है। हम सबके साथ ऐसा कुछ न कुछ हुआ होगा, मगर बहुत निजी तरीका होता है कि आप उसे कैसे हैंडल करते हैं। जहां तक मेरी बात है, मैं चुप रहने को बिल्कुल बढ़ावा नहीं देना चाहूंगी। अगर आपको लगता है कि कोई गलत कह रहा है या आप उस पोजिशन में हैं कि आप उसे करेक्ट कर सकते हैं कि नहीं ऐसा नहीं, ऐसा होना चाहिए तो आपको जरूर बोलना चाहिए लेकिन अगर आपके सामने कोई मूर्ख इंसान है जिसके लिए ऐसा लगे कि आप दीवार से बात कर रहे हैं तो वहां पर आप अपनी एनर्जी व्यर्थ करेंगे तो वहां आप चुप रह सकते हैं। ये आपको खुद चुनना होगा कि कहां बोलना है, कहां लड़ना है, कहां इग्नोर करना है।

महिलाएं जब साथ देती हैं तो जादू होता है

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्त्री ऊर्जा यानी फेमिनिन एनर्जी के बारे में एक लंबी पोस्ट लिखी है। पोस्ट में उन्होंने बताया है कि असली स्त्री ऊर्जा क्या होती है। रश्मिका ने बताया है कि अगर कोई महिला अपने अंदर की आवाज से जुड़ जाती है, तो उसके अंदर कई बदलाव आते हैं। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में रश्मिका ने लिखा स्त्री ऊर्जा में एक खास जादू होता है। जब आप खुद से जुड़ जाती हैं, तो आप चीजों को साफ-साफ देखने लगती हैं। लोगों को पहचान जाती हैं और स्थितियों को पहले से समझ जाती हैं। कई बार आपको लगता है कि कुछ गलत होने वाला है। आपका मन आपको सावधान करता है। हालांकि हम उसे नजरअंदाज कर देते हैं क्योंकि जिंदगी बहुत जटिल है। रश्मिका ने आगे लिखा महिलाएं जब एक-दसरे को सहारा देती हैं और सिर्फ यह कहती हैं कि मैं तुम्हारे साथ हूं, तो एक अलग जादू होता है। उस कोमलता में बहुत ताकत होती है। स्त्री शक्ति कमजोर नहीं है। हां यह कोमल जरूर है लेकिन यह मजबूत है और प्यार से भरी हुई है। जब महिलाएं इस तरह की ऊर्जा के साथ एकजुट होती हैं तो उन्हें कोई रोक नहीं सकता।

हर महिला को मिलेगी स्त्री ऊर्जा

रश्मिका ने आखिर में लिखा मैं देख रही हूं कि आप में से बहुत सी महिलाओं में यह शक्ति है। जिन्हें अभी तक इसके बारे में समझ नहीं है वह जल्द ही इसके बारे में समझेंगी और इसे महसूस करेंगी। जल्द ही इसे पा लेंगी और मजबूत स्त्री ऊर्जा बन जाएंगी।

द गर्लफ्रेंड के बारे में

हाल ही में रिलीज हुई रश्मिका मंदाना की फिल्म द गर्लफ्रेंड का निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है। इसके लेखक भी वही हैं। फिल्म के निर्माता अल्लू अरविंद, धीरज मोगीलिनेनी और कोप्पिनीदी विद्या हैं। इसमें रश्मिका मंदाना के अलावा दीक्षित शेट्टी, अनु इमैनुएल, रोहिणी, कौशिक मेहता और राव रमेश हैं।

अजय के साथ दोस्ती का नहीं यह रिश्ता रखती हैं रकुल प्रीत

रकुल प्रीत सिंह हाल ही में अजय देवगन के साथ फिल्म दे दे प्यार दे 2 में नजर आईं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ठीक-ठाक कमाई कर रही है। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है कि वह इंडस्ट्री में नई नहीं हैं, इसके बावजूद उन्हें अजय देवगन के मुकाबले बहुत ही कम अनुभव है। उन्होंने बताया है कि वह अजय देवगन के साथ दोस्ती का रिश्ता क्यों नहीं रख सकती।

अजय के साथ दोस्ती का रिश्ता नहीं रख सकती रकुल

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में रकुल प्रीत सिंह ने बताया मैं उनके साथ दोस्ती का रिश्ता नहीं रख सकती। मेरा उनका रिश्ता सम्मान वाला है। मेरे लिए वह अभी भी अजय देवगन हैं। वह सीनियर अभिनेता हैं और बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं अजय देवगन को सम्मान के साथ संबोधित करती हूं।

अजय को सर मानती हैं रकुल

अजय देवगन के साथ रकुल प्रीत सिंह दोस्त की तरह क्यों नहीं रह सकती, इस पर उन्होंने सफाई देते हुए कहा जो आपकी उम्र के या आपसे कम उम्र के एक्टर होते हैं, वह आपके दोस्त बन जाते हैं। अजय देवगन को मैं सर मानती हूं। मैं अपने आपको इंडस्ट्री में नई नहीं मानती, फिर भी मेरा उनसे कम अनुभव है।

दे दे प्यार दे 2 के बारे में

अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म दे दे प्यार दे 2 में रकुल प्रीत और अजय देवगन के अलावा आर माधवन, गौतमी कपूर, जावेद जाफरी, मीजान जाफरी और अर्जुन पांचाल जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज हुई थी। इसमें बड़ी उम्र के पुरुष का छोटी उम्र की लड़की के साथ रोमांस दिखाया गया है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अब तक 51.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

ओटीटी प्रोजेक्ट में अक्षय खन्ना-संजीदा शेख के साथ नजर आएंगे सनी देओल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं में शुमार सनी देओल और अपने तीखे अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय खन्ना एक बार फिर साथ स्क्रीन पर नजर आने वाले हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक ने दोनों सितारों के फैंस में एक्साइटमेंट दोगुनी कर दी है। बताया जा रहा है कि ये जोड़ी एक हाई-वोल्टेज एक्शन थ्रिलर में धूम मचाने की तैयारी में है, जिसमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी दमदार भूमिका निभाती दिखेंगी।

एक बार फिर साथ आए सनी-अक्षय

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों सितारों ने एक ओटीटी एक्शन प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। यह फिल्म पूरी तरह डिजिटल दर्शकों को ध्यान में रखते हुए प्लान की जा रही है। शूटिंग मुंबई में शुरू होने वाली है और मेकर्स कहानी को लेकर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि कहानी बिजली-सी तेज रफ्तार वाली होगी, जिसमें भारी-भरकम एक्शन, इमोशनल ड्रामा और मिस्ट्री का तड़का लगाया गया है। संजीदा शेख भी इस कहानी का अहम हिस्सा होंगी। उनके किरदार को फिल्म में इमोशनल गहराई जोड़ने वाला बताया गया है।

क्यों चुना गया ओटीटी प्लेटफॉर्म?

पिछले कुछ समय में बड़े स्केल के एक्शन प्रोजेक्ट्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। मेकर्स का मानना है कि ओटीटी की विशाल और विविध दर्शक संख्या ऐसी फिल्मों को तुरंत लोकप्रियता दिलाती है। हालांकि यह अभी साफ नहीं है कि फिल्म किस प्लेटफॉर्म पर आएगी, लेकिन उद्योग से जुड़े लोग इसे किसी बड़े स्ट्रीमिंग जायंट से जुड़ा प्रोजेक्ट बता रहे हैं।

अक्षय खन्ना के करियर में एक और बड़ा कदम

अक्षय खन्ना इस समय शानदार फॉर्म में हैं। पहले उन्होंने छावा में खलनायक बनकर दर्शकों को चौंकाया, उसके बाद उनकी अगली फिल्म 'धुरंधर' अपने लुक और इंटेंस ट्रेलर के कारण खूब चर्चा में है। साल 2025 उनके करियर के लिए खास होने वाला है और नया एक्शन प्रोजेक्ट उनकी लिस्ट में एक और दमदार एंट्री जोड़ देगा। इस फिल्म को सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो अपनी मजबूत कहानी और स्टाइलिश ट्रीटमेंट के लिए जाने जाते हैं।

सनी देओल की नई उड़ान

जाट की सफलता के बाद सनी देओल एक बार फिर अपने एक्शन अवतार में धूम मचाने को तैयार हैं। वहीं उनकी मच अवेटेड फिल्म 'बॉर्डर 2' भी चर्चा में है, जिसमें वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ भी नजर आएंगे। सनी देओल के फैंस उन्हें फिर बड़े पैमाने पर एक्शन करते देखने के लिए बेसब्र हैं।

संजीदा शेख का करियर ग्राफ

संजीदा शेख ने हाल ही में हीरामंडी और फाइटर में बेहतरीन प्रदर्शन से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। इस फिल्म में उनकी मौजूदगी कहानी में नई दिशा और परतें जोड़ने वाली मानी जा रही है।

सड़क दुर्घटना में मृतक व्यापारी के परिवार को मिलेगा 18 करोड़ का मुआवजा

-मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 13 साल चली लड़ाई के बाद दिया आदेश

पुणे (एजेंसी)। पुणे-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक सड़क दुर्घटना में एक व्यापारी की साल 2012 में मौत हो गई थी। उनके परिजनों को करीब 13 साल की लंबी लड़ाई के बाद 18 करोड़ का मुआवजा दिया गया है। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने यह आदेश जारी किया है। यह मुआवजा एक बीमा कंपनी और ट्रक मालिक को संयुक्त रूप से देना होगा। मुआवजे की मूल राशि 10.9 करोड़ है। यह राशि याचिका दाखिल करने की तारीख 1 मार्च, 2016 से 7.5फीसदी प्रति वर्ष की दर से ब्याज समेत दी जाएगी। ब्याज को मिलाकर कुल मुआवजा 18 करोड़ से ज्यादा का हो गया है। बता दें दुर्घटना में मुंबई के व्यवसायी राजीव विनोद शाह की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई थी। राजीव शाह अपनी होंडा सिटी कार से मुंबई से पुणे जा रहे थे। तभी ट्रक ने एक अन्य कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह कार सड़क के डिवाइडर को तोड़ती हुई विपरीत दिशा में राजीव शाह की होंडा सिटी कार से टकरा गई। मृतक की कार का पीछे चल रही राज्य परिवहन निगम की एक बस ने भी शाह की कार को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राजीव शाह के परिवार के छह सदस्यों ने न्यायाधिकरण के समक्ष दुर्घटना दावा याचिका दायर कर ब्याज समेत 17.4 करोड़ के मुआवजे की मांग की थी। न्यायाधिकरण ने ट्रक मालिक के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की क्योंकि वह सुनवाई के दौरान कभी पेश नहीं हुआ। बीमा कंपनी ने इस दावे का यह कहते हुए विरोध किया कि यह दुर्घटना तीनों वाहनों की संयुक्त लापरवाही के कारण हुई थी।

लॉरेंस गैंग के 4 शूटरों का एनकाउंटर, दो घायल

मोहाली (एजेंसी)। मोहाली के डेराबस्सी में चंडीगढ़-अंबाला राजमार्ग पर बुधवार दोपहर बड़ा पुलिस अभियान चलाया गया। स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास एक घर में छिपे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के चार गुर्गों को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने अचानक फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और कुछ देर तक दोनों तरफ से गोलियां चलती रहीं। मुठभेड़ में गिरोह के दो शूटरों को गोली लगी और वे घायल हो गए। मौके पर मौजूद एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और एसएएस नगर पुलिस ने घेराबंदी कर सभी चार आरोपियों को काबू में कर लिया। घायल आरोपियों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह विदेशी ठिकानों से अपने हैंडलर के निर्देश पर काम कर रहा था। यह समूह ट्राइसिटी और पटियाला क्षेत्र में टारगेटेड हमलों की योजना बनाने में लगा हुआ था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि गिरोह इस क्षेत्र में किसी बड़े हमले की तैयारी कर रहा है।

पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़े गए 2 आतंकी

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर देहात पुलिस ने भारत-पाक बॉर्डर पर दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से करीब ढाई किलो का आईईडी और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। यह कार्रवाई खुफिया अलर्ट के बाद हुई है। जिसमें आईएसआई द्वारा हाल ही में दिल्ली धमाके के बाद दोबारा भारतीय क्षेत्र में विस्फोटक भेजने की कोशिश तेज होने की जानकारी मिली थी। अमृतसर के रमदास, अजनाला और घरिंडा में बढ़ाई गई नाकाबंदी के दौरान दोनों आरोपी भाई युवराज और आकाशदीप बाइक पर आईईडी लेने निकले थे, लेकिन कोहरे के बीच पकड़े गए। पुलिस उनसे पूछताछ कर मॉड्यूल के बाकी सदस्यों की तलाश कर रही है।

संविधान का अक्षरश : पालन हुआ तो 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र : ओम बिरला

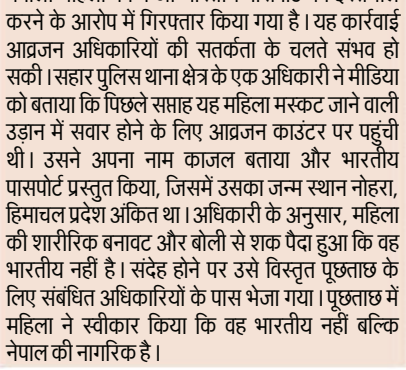

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि यदि देश संविधान में निहित सिद्धांतों का पूरी निष्ठा से पालन करे, तो वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य साकार किया जा सकता है। संविधान सदन (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने लंबे विचार-विमर्श और व्यापक बहस के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकार किया, जिसने भारत को एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में स्थापित करने की मजबूत नींव रखी। बिरला ने कहा कि भारतीय संविधान एक जीवंत और गतिशील दस्तावेज है, जो नागरिकों की आवश्यकताओं और उनके अधिकारों का ध्यान रखता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान का पालन करना हर नागरिक और संस्था का कर्तव्य है, क्योंकि यही देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संविधान सभा द्वारा संविधान अंगीकार किए जाने की स्मृति में 2015 से हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है।

मुंबई एयरपोर्ट पर फर्जी भारतीय पासपोर्ट के साथ नेपाली महिला गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ओमान जाने की कोशिश कर रही एक नेपाली महिला को फर्जी भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई आव्रजन अधिकारियों की सतर्कता के चलते संभव हो सकी। सहार पुलिस थाना क्षेत्र के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि पिछले सप्ताह यह महिला मस्कट जाने वाली उड़ान में सवार होने के लिए आव्रजन काउंटर पर पहुंची थी। उसने अपना नाम काजल बताया और भारतीय पासपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसमें उसका जन्म स्थान नोहरा, हिमाचल प्रदेश अंकित था। अधिकारी के अनुसार, महिला की शारीरिक बनावट और बोली से शक पैदा हुआ कि वह भारतीय नहीं है। संदेह होने पर उसे विस्तृत पूछताछ के लिए संबंधित अधिकारियों के पास भेजा गया। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह भारतीय नहीं बल्कि नेपाल की नागरिक है।

बिहार जीत के बाद भाजपा में मंथन: जनवरी 2026 तक मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष !

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में भाजपा की प्रचंड जीत और सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद, सभी राज्यों में पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने वाले निर्वाचक मंडल के गठन की तैयारी शुरू हो गई है। 29 राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं और केवल उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में ही चुनाव प्रक्रिया जारी है, ऐसे में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया निर्णायक चरण में प्रवेश कर गई है। जनवरी 2026 तक नए पार्टी प्रमुख का चयन होने की उम्मीद है।

पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने संकेत दिया कि 14 जनवरी के बाद, जब हिंदू पंचांग में अशुभ माने जाने वाले खरमास का समापन होगा और शुभ चरण शुरू होगा, प्रक्रिया में तेज़ी आएगी। भाजपा के एक शीर्ष पदाधिकारी ने कहा कि सभी तैयारियाँ और प्रक्रियाएँ राज्यों में संगठनात्मक चुनावों के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ रही हैं, और नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी 2026 तक होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि चुनावों के लिए निर्वाचक मंडलों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 29 राज्य इकाइयों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं, जबकि उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में औपचारिकताएँ अभी भी जारी हैं। इस बीच, भगवा हलकों में मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, जो वर्तमान में सेवा विस्तार पर हैं, के उत्तराधिकारी के रूप में तीन नाम चर्चा में हैं। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और शिवराज सिंह चौहान उन प्रमुख नामों में शामिल हैं जिन पर चर्चा हो रही है। इनमें से, आरएसएस और अमित शाह, दोनों के करीबी माने जाने वाले मौर्य और बिहार चुनाव अभियान के दौरान चुनाव प्रभारी रहे प्रधान, सबसे प्रमुख दावेदारों में उभरे हैं। इसी तरह, मौजूदा मोदी कैबिनेट में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने खुद को एक बेहद प्रभावी भाजपा नेता के रूप में स्थापित किया है, और हाल के वर्षों में बिहार सहित पार्टी की कई चुनावी जीत में अहम योगदान दिया है। एक वरिष्ठ सूत्र ने कहा कि अगर शाह ने रणनीति बनाई, तो प्रधान ने ज़मीनी स्तर पर उसका सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। प्रधान और शिवराज सिंह चौहान, दोनों ही इस पद के प्रबल दावेदार बन सकते हैं।

कंगना का आरोप, विपक्ष घुसपैठियों पर मेहरबान और देश 'कैंसर' से मुक्त होना चाहता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत ने बुधवार को विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर दी जा रही धमकियाँ बेअसर साबित होंगी। मंडी से सांसद कंगना ने कहा कि देश ने घुसपैठियों को बाहर निकालने का मन बना लिया है और पूरा राष्ट्र इस कैंसर से मुक्ति चाहता है। सांसद कंगना की यह प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को लेकर कहा था, कि मेरे साथ खेलने की कोशिश मत करो। ममता बनर्जी लगातार एसआईआर अभियान को लेकर भाजपा नीत केंद्र पर हमला बोलती रही हैं। एक बातचीत में कंगना रनौत ने कहा, देश ऐसी धमकियों से नहीं डरने वाला। जैसे शरीर में कैंसर होता है, उसी तरह देश घुसपैठियों से मुक्त होना चाहता है। लोग पूरे देश से इन घुसपैठियों को निकालना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष घुसपैठियों पर नरम है और इसीलिए एसआईआर अभियान का विरोध कर रहा है।

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज प्रवेश मामला: सीएम उमर बोले- ऐसे में छात्र तुर्की-बांग्लादेश पढ़ने जाएंगे

जम्मू (एजेंसी)। वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में मुस्लिम छात्रों के प्रवेश को लेकर उत्पन्न विवाद ने प्रदेश की राजनीति को गर्मा दिया है। भाजपा और कुछ दक्षिणपंथी संगठनों के विरोध के बाद राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि विरोधी पक्ष वास्तव में गैर-हिंदू छात्रों को संस्थान से बाहर रखना चाहता है, तो सरकार को इस कॉलेज को अल्पसंख्यक संस्थान घोषित कर देना चाहिए।

मुख्यमंत्री उमर ने चेतावनी देते हुए कहा, कि यदि ऐसी राजनीति जारी रही तो कश्मीरी छात्र बांग्लादेश या तुर्की जैसे देशों में पढ़ने को मजबूर हो जाएंगे। सीएम उमर का यह बयान ऐसे समय आया है, जबकि शिक्षण संस्थान में ज्यादा मुस्लिम छात्रों के प्रवेश को लेकर कुछ धार्मिक संगठनों ने विरोध दर्ज कराया था। इसके बाद दाखिले को लेकर धार्मिक पहचान को आधार बनाने वाली बात देशभर में बहस का विषय बन गई। वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अंतर्गत आता है, और विरोध करने वाले संगठनों का कहना है कि हिंदू-बहुल संस्थान में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

बदलाव के संकेत: सीक्रेट डील के बाद माने सिध्दारमैया, अब कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनेंगे डीके?

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में बीते कई दिनों से चल रही सियासी उथल-पुथल के बीच अब संकेत मिल रहे हैं कि एक सीक्रेट डील के बाद मुख्यमंत्री सिध्दारमैया मान गए हैं और राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार जल्द ही नए मुख्यमंत्री बन सकते हैं। हालांकि ऐसी सियासी अटकलों के बीच एक विधायक ने दावा कर दिया, कि शिवकुमार जल्द मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। हालांकि, मंगलवार को विधायकों ने यह भी कहा कि पार्टी नेतृत्व अंतिम फैसला लेगा। साल 2023 में शिवकुमार और मौजूदा सीएम सिद्धारमैया के बीच हुए कथित समझौते के चलते राज्य में शीर्ष पद को लेकर रस्साकशी जारी है।

शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर बात नहीं करना चाहते, क्योंकि यह पार्टी में चार-पांच लोगों के बीच एक गुप्त समझौता है, और उन्हें अपनी अंतरात्मा पर भरोसा है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार समर्थक छह विधायकों का एक समूह रविवार रात आलाकमान से मिलने दिल्ली पहुंचा था और कुछ और विधायकों के जाने की उम्मीद है। 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के ढाई साल पूरा होने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है, क्योंकि 2023 में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता साझेदारी समझौते का दावा किया जा रहा है। सिद्धरमैया ने हाल ही में कहा था कि वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट पेश करना जारी रखेंगे। रामनगर विधायक इकबाल हुसैन ने कहा कि सभी लोग आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे, साथ ही उन्होंने शिवकुमार के प्रमोशन पर भरोसा जताया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, मैं हमेशा उस बयान के साथ हूं...। 200 फीसदी वह जल्द ही सीएम बनेंगे। हाईकमान फैसला लेगा। जैसा कि हमारे नेता (शिवकुमार) ने कहा है कि सत्ता हस्तांतरण की सीक्रेट डील 5-6 पार्टी नेताओं के बीच हुई थी और वही 5-6 लोग फैसला लेंगे। मद्दुर से विधायक केएम उदय ने कहा कि विधायकों ने आलाकमान से मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान नए चेहरों और युवाओं को मौका देने का अनुरोध किया है और उन्हें संकेत मिले हैं कि इस पर विचार किया जाएगा। शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व फैसला करेगा और सभी उसका पालन करेंगे।

मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मुद्दा फिर गरमाने की तैयारी, संतों के जरिए चलेगा अभियान

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद को एक बार फिर जनता के बीच लाने की रणनीति तैयार हो रही है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस मुद्दे से सीधे तौर पर नहीं जुड़ेंगे, लेकिन संत समाज के माध्यम से इसे धार्मिक-सामाजिक आंदोलन का रूप देने की योजना है। हाल ही में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की दिल्ली से वृंदावन तक की विशाल पदयात्रा को इसी कड़ी का पहला कदम माना जा रहा है।

भाजपा और संघ ने वैचारिक स्तर पर अयोध्या के साथ-साथ काशी विश्वनाथ और मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मुद्दे का हमेशा समर्थन किया है, लेकिन अयोध्या की तरह काशी-मथुरा को कभी पार्टी या संघ का आधिकारिक राजनीतिक-संगठनात्मक एजेंडा नहीं बनाया। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों स्पष्ट किया था कि संघ के एजेंडे में सिर्फ अयोध्या था, मथुरा नहीं। फिर भी उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि कोई स्वयंसेवक व्यक्तिगत रूप से ऐसे किसी आंदोलन से जुड़ता है तो वह स्वतंत्र है। सूत्रों का कहना है कि अब मथुरा के मुद्दे को अदालती प्रक्रिया के साथ-साथ संतों के जरिए जनजागरण के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। बागेश्वर बाबा की पदयात्रा से यह संकेत मिल गया है कि भगवान कृष्ण के नाम पर ब्रज क्षेत्र में लोगों की भावनाएं कितनी तीव्र हैं। यात्रा में बड़ी संख्या में संतों के साथ-साथ कई राजनेता भी शामिल हुए थे। अब इस भावना को व्यवस्थित रूप से कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के पक्ष में मोड़ा जा सकता है।

इस रणनीति का एक बड़ा लाभ यह भी है कि कृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा यादव समाज को भी जोड़ सकता है, जो खुद को श्रीकृष्ण का वंशज मानता है। इससे समाजवादी पार्टी की राजनीतिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि उसका सबसे मजबूत आधार यादव वोट बैंक ही है। इसी क्रम में मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ब्रज क्षेत्र में अपनी सक्रियता दिखाई। वे हेलीकॉप्टर से बरसाना पहुंचे और सबसे पहले माताजी गौशाला में गौसेवा की। इसके बाद रोप-वे से राधारानी मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और माथा टेका। वहां मौजूद संतों, भाजपा कार्यकर्ताओं और भक्तों ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। गडकरी इसके बाद गुजरात के प्रसिद्ध कथावाचक पद्मश्री रमेश बाबा की चल रही भागवत कथा में शामिल हुए और उनसे आध्यात्मिक संवाद किया। उन्होंने कहा, ÷बरसाना केवल भक्ति का केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा का स्रोत भी है। यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को दिशा दे सकती है। ब्रज क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री की यह यात्रा और संतों से मुलाकातें भी आगामी दिनों में बन रही नई धार्मिक-सामाजिक समीकरण की ओर इशारा कर रही हैं।

बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर पीएमओ ने इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने के दिए निर्देश

-मानदंडों का उल्लंघन करने वाले सभी वाहनों की जांच और उन पर कार्रवाई की जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लगातार बढ़ते प्रदूषण के बीच सरकार कई कदम उठा रही है। कुछ दिन पहले ही राजधानी में ग्रैप-3 लागू किया है। अब पीएमओ ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिकारियों को दोहरी रणनीति पर काम करने का निर्देश दिया है। पीएमओ ने एक उच्च-स्तरीय बैठक की, जिसकी अध्यक्षता पीएम के प्रधान सचिव ने की और प्रदूषण से निपटने के लिए कई सख्त निर्देश दिए। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब राजधानी की हवा की गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है। पीएमओ ने अधिकारियों को दो मुख्य मोर्चों पर तेजी से काम करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि प्रदूषण फैलाने वाले और उत्सर्जन मानदंडों का उल्लंघन करने वाले सभी वाहनों की जांच और उन पर कार्रवाई की जाए। केंद्र सरकार दिल्ली की सड़कों पर इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाना चाहती है, इसलिए चर्चा का एक अहम हिस्सा ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार पर केंद्रित था। पीएमओ ने अधिकारियों को चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, चार्जिंग स्टेशन और सब्सिडी पर तेजी से प्रगति करने का निर्देश दिया। पीएमओ ने यह भी निर्देश दिया कि पारंपरिक पेट्रोल और डीज़ल वाहनों पर निर्भरता कम की जाए। यह कदम दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत दिल्ली के परिवहन को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाएगा।

पुलिस हिरासत में मौतें व्यवस्था पर कलंक, अब बर्दाश्त नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पुलिस हिरासत में बढ़ती मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी की है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मंगलवार को कहा कि पुलिस कस्टडी में हिंसा और मौतें भारतीय न्याय प्रणाली पर एक कलंक है और अब देश इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगा। अदालत पुलिस थानों में कार्यशील सीसीटीवी कैमरों की कमी से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसे सर्वोच्च अदालत ने सितंबर में मीडिया रिपोर्ट के आधार पर स्वत-संज्ञान में लिया था।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, कि रिपोर्टों के अनुसार 2025 के पहले आठ महीनों में राजस्थान में पुलिस हिरासत के दौरान 11 लोगों की मौत हुई, जिसमें से 7 मामले केवल उदयपुर जिले से जुड़े थे। कोर्ट ने याद दिलाया कि 2018 में उसने स्पष्ट आदेश दिया था कि हिरासत के दौरान मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। इसी के साथ ही अदालत ने कहा, अगर पुलिस थानों में कैमरे ही नहीं चल रहे, या लगे ही नहीं हैं, तो यह आदेश की सीधी अवहेलना है। हिरासत में मौतें किसी भी सभ्य समाज में अस्वीकार्य हैं।

केंद्र से पूछा—अनुपालन हलफनामा कहाँ है?

सुनवाई के दौरान बेंच ने केंद्र सरकार से यह भी पूछा कि आज तक अनुपालन हलफनामा क्यों दाखिल नहीं किया गया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र तीन सप्ताह के भीतर रिपोर्ट जमा करेगा। वहीं सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ दवे, जो 2020 के एक अन्य मामले में अमिकस क्यूरी के रूप में सहायता कर रहे हैं, ने बताया कि केवल 11 राज्यों ने ही अब तक सीसीटीवी लगाने के संबंध में अनुपालन हलफनामा दिया है। न तो सभी राज्यों ने और न ही कई केंद्रीय एजेंसियों ने कोर्ट के आदेशों का पूर्ण पालन किया है।

सीबीआई, ईडी, एनआईए दफ्तरों में भी कैमरे अनिवार्य

कोर्ट ने याद दिलाया कि उसके 2020 के आदेश में सीबीआई, ईडी और एनआईए जैसी जांच एजेंसियों के दफ्तरों में भी सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसियों को भी मानवाधिकार मानकों का पालन करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सभी शेष राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय दिया है। मामला अब 16 दिसंबर को फिर से सुना जाएगा। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि तब तक हलफनामा नहीं दिया गया, तो संबंधित राज्य/यूटी के गृह विभाग के प्रमुख सचिव को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

मां काली की मूर्ति को मदर मैरी की तरह सजाया, लोगों ने किया बवाल

-धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप, मंदिर का पुजारी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर में काली मंदिर में पूजा करने वाले लोगों ने देवी की मूर्ति को मदरमैरी जैसा दिखाने पर तोड़-फोड़ कर दी थी। पुलिस ने मंदिर के पुजारी को गिरफ्तार कर लिया और जांच शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार को अनिक गांव में हिंदू श्मशान घाट के अंदर बने कालीमंदिर में हुई। एक फोटो में देवी की मूर्ति को सुनहरे कपड़े पहने और सफेद सजावट वाला एक बड़ा मुकुट पहने और ऊपर एक खास सुनहरा क्रॉस लगा दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक काली माता के विग्रह को मदर मरियम के रूप में शृंगार करने का वीडियो प्रसारित होने के बाद पुजारी को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उपनगरीय चेंबूर के मंदिर में काली माता की मूर्ति को मदर मैरी के रूप में दिखाया गया। उन्होंने बताया कि रविवार को मंदिर दर्शन करने गए श्रद्धालु यह देखकर दंग रह गए कि मां काली के विग्रह को ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह की माता जैसी पोशाक पहनाई गई है।

उन्होंने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और देवी की पोशाक में हुए बदलाव के बारे में बताया। अधिकारी के मुताबिक श्रद्धालुओं ने जब मंदिर के पुजारी रमेश से इस बारे में पूछताछ की तो उसने दावा किया कि मां काली उसके सपने में आई थीं और उन्होंने ही उसे ''मां मैरी के रूप में उनका शृंगार करने'' का निर्देश दिया था। पुलिस ने बताया कि एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पुजारी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसने बताया कि इसके बाद पुजारी को गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या घटना के पीछे कोई संगठित मकसद था या इसमें और लोग भी संलिप्त थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com